साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 11 मई से 17 मई 2026
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 02 अंक : 10 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए
www.shaharsatta.com

पेज 09 में...
सुशासन तिहार में मुंगेली को ऐतिहासिक सौगात

पेज 12 में...
सुशासन में नारी का मान

पेज 04 हाथ में बंदूक, दिल में सत्ता का रसूख, पुलिस बनी चौकीदार!

गौमाता की चीत्कार...

गाय काटने वाले छूट गए, खाने वालों तक नहीं पहुंच पाई पुलिस

- गाय मांस के शौकीनों के लिए नागपुर-ओडिशा से आ रहा माल
- नाइट बसों और मालवाहक गाड़ियों से तस्करी कर रहे गौ मांस
- रसूखदार गौ मांस ग्राहकों पर सख्ती बरतने से बच रहा प्रशासन
- नागपुर से ऑर्डर पर तैयार गाय मांस की हो रही होम डिलीवरी

अब तो कुछ मोहल्लों में गौ-माता जाने से भी कतराती हैं। हिंदू संगठन और गौ रक्षकों की भी नजरें गौ माता का भक्षण करने वालों और उनके इलाकों पर है। पुलिस भी गौ तस्करी करने वाले रास्तों पर मुस्तैद है। पुराने आरोपियों और गौ मांस के बड़े ग्राहकों से फ़िलहाल प्रशासन की नजरें भी हटने लगी है। नतीजतन माँ कौसल्या और भगवान राम की धरती में गौकशी तो थम सी गई है लेकिन गाय खाने वालों की रसोई में अब भी मांस सप्लाय जारी है। नागपुर और ओडिशा सबसे महफ़ूज़ कॉरिडोर हैं।

शहर सत्ता/रायपुर। हिसाब-किताब वाली कसाइयों की डायरी में फरवरी 2024 की तारीख का गौ मांस का आर्डर देने वालों के नाम दर्ज हैं। किसे कितना मांस दिया गया, यह भी लिखा है। गाय मांस खाने के आदी ग्राहकों से वसूली गई राशि और उधारी बकाया तक का उल्लेख कसाइयों की डायरी में है। इनमे से कई नाम और ग्राहकों की शिनाख्त कसाइयों को है और पुलिस अगर चाहती तो सख्ती से पूछताछ कर सकती थी। लेकिन गाय काटने वाले आरोपी महज दो महीने में छूट गए और खाने वाले अब भी बेख़ौफ़ हैं। जांच के नाम पर पुलिस भी जितना करना था वह कर चुकी है। गौमांस खाने, बेचने और तस्करी करने वालों ने अपना पेट भरने के लिए सुरक्षित इंतजाम कर लिया है।

अब कटा-कुटाया माल परिवहन कर रहे कसाई

गौकशी मामले के एक वर्ष बाद भी गौ माता को बेरहमी से खाकर डकार मारने वालों ने अब अपना नया इंतजाम कर लिया है। वहीँ गौ-मांस बेचने वाले सभी आरोपी महज दो माह में ही छूट गए। इनके बड़े परमानेंट ग्राहक भी अब बाहरी राज्यों से कटा-कुटाया माल परिवहन कर रहे हैं। सरल शब्दों में कहें तो बस, मालवाहक गाड़ियों और निजी वाहनों के जरिये गौ मांस आ भी रहा है और छत्तीसगढ़ की राजधानी में पकाया और परोसा भी जा रहा है। नागपुर और ओडिशा गौ तस्करों के लिए सबसे महफूज़ कॉरीडोर है।

एसएसपी लाल उमेद ने की थी फौरी कार्रवाई

गौ मांस मिलने की सूचना पर तात्कालीन एसएसपी डॉ लाल उमेद सिंह ने एक स्पेशल टीम का गठन कर मोमिनपारा के मकान पर रेड मारा था। इस दौरान बड़ी संख्या में गौ सेवक भी उपस्थित थे। पुलिस ने रेड मारा तो घर से कई टुकड़ों में गौ-मांस मिला। तीन कमरों में गौ-मांस काटने का काम चल रहा था। मौके से तराज़ू, काटने का सामान और सप्लाई होने वालों की लिस्ट मिली है। एसएसपी डॉ लाल उमेद ने गौकशी को अंजाम देने वालों के साथ साथ डायरी में नाम दर्ज आदतन गौ मांस खाने वाले ग्राहकों की जांच पड़ताल भी शुरू कर दी थी। पुलिस का निजाम बदलते ही गौ-माता के हत्यारे और उसका भक्षण करने वाले आदतन मांसखोरों को राहत मिल गई है।

डायरी पर लिखा था बड़े ग्राहकों का नाम

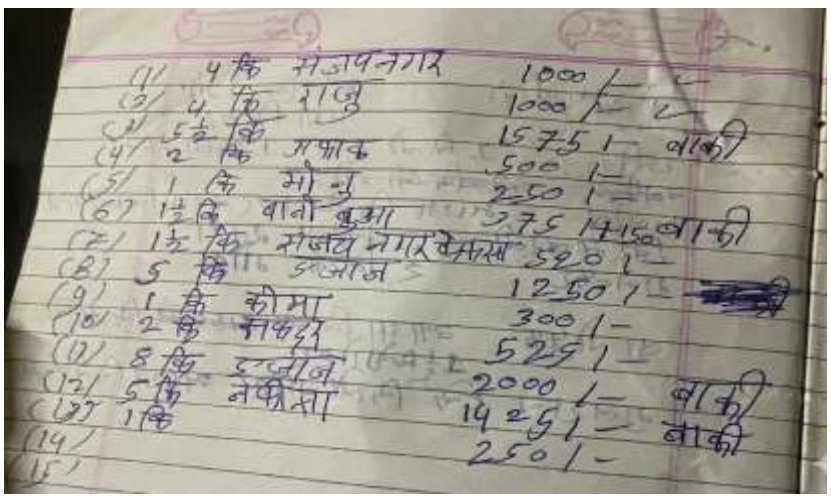

आरोपी के घर से एक कथित डायरी मिली थी जिस पर क्लाइंट और उनको सप्लाई होने वाले गौ-मांस की क्वांटिटी लिखी हुई थी। पुलिस ने इस डायरी को भी अपने कब्जे में लिया था। इसके अलावा खुर्शीद अली नामक शख्स का आईडी कार्ड भी बरामद किया गया है। मामला गरम था इसलिए रायपुर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कसाई के पास गौ मांस खरीदने वाले परमानेंट ग्राहकों की लिस्ट और नाम के आधार पर सख्त कार्रवाई का संकेत दिया था। वक्त के साथ विरोध के स्वर भी धीमे पद गए और कथित डायरी में गौ मांस पसंद करने वाले रसूखदार ग्राहकों पर कार्रवाई का पुलिसिया इरादा भी ठंडा पड़ गया।

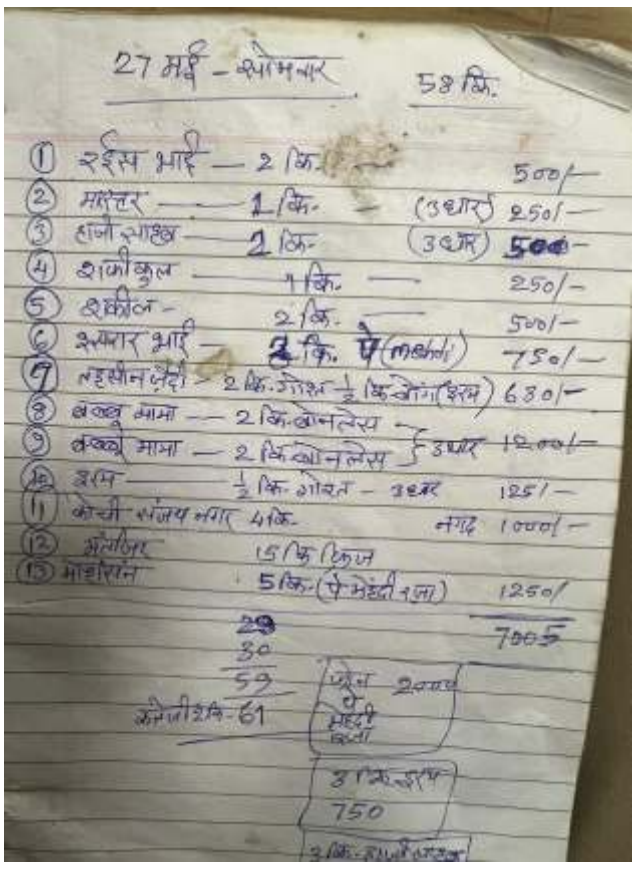

एक आरोपी ने उगला सबका नाम

पुलिस घर के पास में ही खड़े एक ऑटो को भी जब्त कर गौ मांस की होम डिलीवरी का संदेह जताया था। जिसमें खून के धब्बे भी मिले थे। इस मामले में पुलिस ने मौके से समीर मंडल नाम के व्यक्ति को हिरासत में लिया था। पुलिस ने जब उससे कड़ाई से पूछताछ की तो उसने खुर्शीद अली, मोह. मुन्तजीर हैदर, अशफाक अली, अरमान हैदर और मोह. ईरशाद कुरैशी के साथ मिलकर गौमांस की बिक्री करना बताया। जिस पर पुलिस ने सभी 6 आरोपियों को अलग-अलग ठिकानों से गिरफ्तार कर लिया।

केस- 1

- 30 जनवरी 2025 को तेलीबाँधा में गौ मांस की डिब्बा बंद (सब्जी) बीफ़ करी के नाम से बिक रही थी।

केस- 2

- 02 नवंबर 2025 रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र के छपोरा गाँव का है. यहाँ घर से भारी मात्रा में गाय का मांस मिला था।

केस- 3

- 09 जनवरी 2025 रायपुर के मोमिनपारा में एक घर के भीतर गौ-मांस बेचने के मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घर के भीतर कमरों में चाकू-तराजू समेत गौ-मांस भी बरामद किया था। मामला आजाद चौक थाना क्षेत्र का है। तीन कमरों में गौ-मांस काटने का काम चल रहा था।

सीएम साय ने ट्वीट किया था

राजधानी रायपुर में गौमांस बिक्री के आरोपियों की गिरफ़्तारी के बाद लिखा था, यह न केवल गंभीर अपराध है, बल्कि यह सनातन आस्था और सामाजिक सद्भाव को गहरा आघात पहुंचाने वाला कृत्य है। गौमाता की तस्करी करने वाले या तो सुधर जाएं या छत्तीसगढ़ छोड़ दें। ऐसे अपराधियों की प्रदेश में कोई जगह नहीं है।

गृहमंत्री बोले थे उल्टा लटकाएंगे

गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा था गौ मांस का धंधा करने वालों और इसको बढ़ावा देने वाले लोगों को उल्टा लटकाकर सीधा करेंगे। मामले से जुड़े सभी पर एकदम सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। विष्णुदेव की सरकार में गौ तस्करों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

गौ सेवक ओमेश बिसेन कहते हैं

छत्तीसगढ़ में लगातार गौ हत्या और तस्करी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। पुलिस विशेष समूह के दबाव में कार्रवाई नहीं कर रही है। हमारी मांग है कि ऐसे लोगों के खिलाफ बिना दबाव के प्रशासन कड़ी कार्रवाई करें।

होलसेल कॉरिडोर प्रोजेक्ट रिजेक्ट, अब कमर्शियल हब

ठंडे बस्ते में डाला नया रायपुर का प्रस्तावित प्रोजेक्ट

रायपुर। नया रायपुर अटल नगर में प्रस्तावित 'होलसेल कॉरिडोर' प्रोजेक्ट को राज्य सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया हैं होलसेल कॉरिडोर की जगह नया रायपुर में अब कमर्शियल हब निर्माण सहित अन्य वाणिज्यिक गतिविधियां बढ़ाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। वहीं, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा रायपुर शहर में ट्रैफिक के बढ़ते दबाव को कम करने व आम जनता को राहत दिलाने के लिए नया रायपुर में होलसेल कॉरिडोर बनाने की मांग लगातार की जा रही है।

नया रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के मुताबिक नया रायपुर के अलग-अलग सेक्टरों में बसाहट, निवेश व वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भूमि आवंटित की जा रही है। इसके अलावा नया रायपुर में होलसेल कॉरिडोर के लिए प्रस्तावित स्थल पर करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से सिटी लेवल अधोसंरचना विकास का कार्य किया जा रहा है। इनमें सड़क, नाली, बिजली, पेयजल सहित अन्य अधोसंरचना निर्माण शामिल हैं। 30 करोड़ रुपए सड़क निर्माण तथा शेष राशि नाली, बिजली, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं पर खर्च की जा रही है।

जल्द शुरू होगा कमर्शियल हब

नया रायपुर विकास प्राधिकरण के मुताबिक नया रायपुर में बसाहट, निवेश व वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। होलसेल कॉरिडोर की जगह यहां कमर्शियल हब निर्माण की भी योजना बनाई गई है। इस पर जल्द ही काम शुरू होगा।

धोखेबाज प्रेमी ने शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले से 'लव, सेक्स और धोखा' का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। अंबिकापुर पुलिस ने एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है जिसने न केवल अपनी प्रेमिका को शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक शोषण किया, बल्कि विरोध करने पर उसके निजी पलों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। पूरा मामला एक शादी समारोह से शुरू हुआ था, जहाँ आरोपी अनोज दास (24 वर्ष) की मुलाकात पीड़िता से हुई थी। जान-पहचान जल्द ही प्रेम संबंधों में बदल गई। आरोपी ने पीड़िता से शादी करने का वादा किया और उसे अंबिकापुर के पटपरिया स्थित एक किराए के मकान में बुलाकर कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया।

शादी किसी और से की, विरोध पर किया ब्लैकमेल

रिश्ते में मोड़ तब आया जब आरोपी अनोज ने पीड़िता को धोखा देते हुए किसी अन्य लड़की से शादी कर ली। जब पीड़िता ने इस विश्वासघात का विरोध किया, तो आरोपी ने उसे डराने-धमकाने के लिए उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर वायरल कर दिए। इतना ही नहीं, वह इन वीडियो के दम पर पीड़िता पर दोबारा शारीरिक संबंध बनाने का दबाव भी बनाने लगा।

पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी

आरोपी की प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता ने 1 मई 2026 को पुलिस चौकी लटोरी में मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (IT Act) और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। गांधीनगर थाना पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 9 मई को आरोपी अनोज दास को उसके निवास ग्राम सलका पतरा टोली (थाना दरिमा) से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद उसे मेडिकल परीक्षण कराकर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

सब दे चुके आश्वासन फिर भी चंदखुरी में नहीं लग पाई प्रभु श्रीराम की प्रतिमा

रायपुर। राजधानी के करीब माता कौशल्या धाम चंदखुरी में 51 फीट ऊंची वनवासी स्वरूप की भव्य भगवान प्रभु श्रीराम की प्रतिमा अब तक नहीं लग पाई है। हैरानी की बात यह है कि प्रतिमा को आए 80 दिन बीत चुके हैं। यह प्रतिमा ग्राम गोढ़ी के एक खुले मैदान में प्लास्टिक की तालपत्री से ढंककर रखी गई है। सूत्रों की मानें तो मूर्तिकार दीपक विश्वकर्मा (ग्वालियर) को राशि का भुगतान नहीं होने से प्रतिमा लगाने का काम शुरू नहीं हो पा रहा है।

80 दिनों से रिम्स के करीब ग्राम गोढ़ी में रखी हुई है प्रतिमा

सैंड मिंट स्टोन से निर्मित है प्रतिमा

बताया गया कि यह प्रतिमा भगवान श्रीराम के वनवासी स्वरूप को दर्शाती है, जिसमें वे धनुष-बाण धारण किए हुए हैं। प्रतिमा को विशेष रूप से मजबूत और टिकाऊ 'सैंड मिंट स्टोन' से निर्मित किया गया है, जो अपनी मजबूती और दीर्घायु के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। प्रतिमा का निर्माण राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात मूर्तिकार दीपक विश्वकर्मा ने किया है।

भाजपा नेता ही लगा रहे ठेकेदार पर मनमानी का आरोप

अब चूंकि राज्य में भाजपा सरकार बने करीब ढाई साल बीत गये हैं, लिहाजा भगवान प्रभु श्रीराम की भव्य प्रतिमा चंदखुरी कौशल्याधाम में लगाने की मांग भाजपा के भीतर ही तेज हो गई है। भाजपा नेता व कार्यकर्ता अब सवाल उठाने लगे हैं कि एक ठेकेदार की मनमानी के चलते प्रतिमा का स्थापना कार्य रुका हुआ है, जबकि यह कार्य पहले साल ही पूरा हो जाना चाहिए था।

नेशनल लोक अदालत: रायपुर में 17,05,200 मामलों का निपटारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी में साल 2026 की दूसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को किया गया। जिला न्यायालय रायपुर समेत प्रदेशभर के सभी न्यायालयों में आयोजित इस लोक अदालत में रिकॉर्ड संख्या में मामलों का निराकरण हुआ। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोक अदालत का शुभारंभ किया। वही रायपुर में आयोजित इस विशेष अभियान के तहत कुल 17 लाख 5 हजार 200 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इनमें लंबित मामलों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन, नगर निगम, ट्रैफिक चालान, राजस्व और पारिवारिक विवादों के प्रकरण शामिल रहे।

इन मामलों का निराकरण

राजस्व न्यायालय: 1,20,54,185 प्रकरण
प्री-लिटिगेशन एवं नगर निगम: 16,77,996 प्रकरण
लंबित न्यायालयीन मामले: 27,204 प्रकरण
ट्रैफिक चालान: 10,183 प्रकरण
कुटुंब न्यायालय: 87 प्रकरण
राज्य परिवहन अपीलीय प्राधिकरण: 8 प्रकरण

70 करोड़ रुपए से अधिक का सेटलमेंट

लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को कुल 70 करोड़ 66 लाख 80 हजार 997 रुपए की राशि दिलाई गई। यह राशि समझौते, मुआवजे और विभिन्न मामलों के समाधान के जरिए प्राप्त हुई। इस बार लोक अदालत का आयोजन हाईब्रिड मोड में किया गया। पक्षकारों ने न्यायालय में भौतिक उपस्थिति के साथ-साथ ऑनलाइन और वर्चुअल माध्यम से भी अपने मामलों का समाधान कराया। यातायात चालानों के समाधान के लिए संबंधित थानों में ई-चालान रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी गई। इसके साथ ही न्याय तुहर द्वार योजना के तहत खमतराई जोन क्रमांक-1 में आयोजित मोहल्ला लोक अदालत में आयोजित की गई।

रायपुर जिले में 5.88 लाख मकान, अभी 3.92 लाख में ही पहुंचे जनगणना कर्मी

धूप-गर्मी से परेशान जनगणना कर्मी, 67 प्रतिशत काम ही हुआ पूरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण व मकानों की गणना का फील्ड कार्य में जुटे जनगणना कर्मचारी तीखी धूप और गर्मी से परेशान हैं। उन्हें घर तलाशने में भी परेशानी हो रही है। ताला लगे घरों में कई बार जाना पड़ रहा है। शहरी क्षेत्रों में गणना का काम ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में काफी धीमा चल रहा है। रायपुर नगर निगम के जोन 2 में सबसे कम 37.13 प्रतिशत ही काम हो पाया है।

रायपुर जिले में 1 मई से अब तक कुल 5 लाख 88 हजार 452 मकानों में से 3 लाख 92 हजार 780 मकानों में पहले चरण का काम पूरा हो गया है। यह कुल मकानों की संख्या का 66.75 प्रतिशत है। प्रत्येक जनगणना कर्मी को 250 से 300 मकानों की गणना की जिम्मेदारी दी गई है।

सहयोग नहीं मिल रहा

अधिकारी से सहयोग नहीं मिला। फ्लैट्स को एक घर मानकर शिक्षकों को जनगणना की जवाबदारी दी गई। 42 डिग्री तापमान के बीच हीरापुर-सोनडोंगरी के दो फ्लैट्स में शिक्षिका पहुंची, तो एक-एक फ्लैट्स में 30 से 40 परिवार मिले। यहाँ एक-एक प्रगणक को 3 से 4 सौ घरों में गणना करना है। यहाँ भी निगम कर्मचारियों से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है।

अनुपस्थित कर्मियों को नोटिस

जिला प्रशासन ने जनगणना कार्य को लेकर सख्त रुख अपनाया है। रायपुर जिले में ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले 300 से अधिक कर्मचारियों को जनगणना अधिनियम 1948 और छत्तीसगढ़ सिविल आचरण नियमों के तहत नोटिस जारी किया गया है।

महिला कर्मचारी से धक्का-मुक्की

रायपुर में जनगणना कार्य के दौरान महिला कर्मी से धक्का-मुक्की और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। घटना टिकरापारा थाना क्षेत्र की सिमरन सिटी बीएसयूपी कॉलोनी की है। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।। टिकरापारा पुलिस के अनुसार, अशोका पाम सोसाइटी निवासी शिक्षिका ने आरोपी की शिकायत की है। शिक्षिका ने बताया कि, वो शनिवार शाम करीब 5 बजे जनगणना कार्य के सिलसिले में बीएसयूपी कॉलोनी सिमरन सिटी पहुंची थीं। यहां वे घर-घर जाकर लोगों की जानकारी जुटा रही थी। इसी दौरान कालिया नाम का युवक पहुंचा और जनगणना कार्य को "फालतू" बताते हुए विवाद करने लगा।

साप्ताहिक शहर सत्ता

हाथ में बंदूक, दिल में सत्ता का रसूख, पुलिस बनी चौकीदार!

वर्दी बेबस, हथियार बेखौफ: सत्ता की सनक में उड़ा दी कानून की धज्जियां!

अकलतरा | प्रदेश में कानून का इकबाल बुलंद होने के दावे तो बहुत किए जाते हैं, लेकिन जब सत्ता पक्ष से जुड़े लोग ही इसे ठेंगा दिखाने लगें, तो व्यवस्था बौनी नजर आने लगती है। ताजा मामला अकलतरा के पूर्व विधायक सौरभ सिंह के करीबी माने जाने वाले ऋतुपर्ण सिंह और उनकी पत्नी, भाजपा नेत्री व मंडी सदस्य मोनिका सिंह से जुड़ा है। एक शादी समारोह में इस दंपत्ति द्वारा सरेआम की गई 'हर्ष फायरिंग' का वीडियो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है, जो प्रशासन की सुस्ती पर तमाचा है। यह कथित वीडियो में बंदूकधारी अकलतरा से लेकर राजधानी रायपुर के रॉयल पार्क महादेव घाट रोड पर दनादन फायर करते रहे।

सत्ता का संरक्षण या कानून का बौनापन?

वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि भाजपा नेत्री और मंडी सदस्य मोनिका सिंह अपने पति ऋतुपर्ण सिंह (जो बिलासपुर में चतुर्थ श्रेणी शासकीय कर्मचारी बताए जा रहे हैं) के साथ मिलकर हवा में गोलियां दाग रही हैं। चेहरे पर कानून का खौफ नहीं, बल्कि सत्ता की हनक साफ झलक रही है। यह महज एक फायरिंग नहीं है, बल्कि रायपुर पुलिस के उस इकबाल को चुनौती है जो दिन-रात सुरक्षा का दंभ भरती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार में नियम केवल आम जनता के लिए हैं? अगर यही कृत्य किसी आम आदमी ने किया होता, तो अब तक वह सलाखों के पीछे होता। लेकिन यहाँ रसूखदारों के मामले में पुलिस की चुप्पी यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या खाकी अब खादी के सामने नतमस्तक हो चुकी है?

शासकीय सेवा नियमों की भी उड़ी धज्जियां

ऋतुपर्ण सिंह, जो एक सरकारी कर्मचारी हैं, उनका इस तरह सार्वजनिक रूप से हथियार लहराना और फायरिंग करना 'सिविल सेवा आचरण नियम' का खुला उल्लंघन है। एक तरफ राज्य सरकार अनुशासन की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ कर्मचारी सरेआम हथियारों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

मुख्य बिंदु जो खड़े करते हैं सवाल:

पुलिस की चुप्पी: घटना को दो दिन बीत जाने के बाद भी रायपुर पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। क्या पुलिस सत्ताधारी दल के नेताओं पर हाथ डालने से कतरा रही है?

कानून का मजाक: हर्ष फायरिंग पर सुप्रीम कोर्ट और शासन की सख्त पाबंदी है। इसके बावजूद रसूखदार इसे अपनी 'शान' का हिस्सा मानते हैं।

हथियार का लाइसेंस: जिस बंदूक से फायरिंग की गई, वह किसकी है और क्या उसका उपयोग इस तरह के आयोजनों में करना वैध है?

बड़ा सवाल: क्या पुलिस इस वीडियो पर संज्ञान लेकर दोषियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत कार्रवाई करेगी या मामला रसूख के नीचे दबा दिया जाएगा?

भ्रष्टाचार पर नेताम का 'वज्रप्रहार'

28 करोड़ के बैंक घोटाले में अब ED की एंट्री, किसानों के 'लुटेरों' में हड़कंप

रायपुर/अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने यह साफ कर दिया है कि किसानों के पसीने की कमाई पर डाका डालने वालों के लिए अब जेल की सलाखें ही अंतिम ठिकाना हैं। कृषि एवं कल्याण मंत्री रामविचार नेताम की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के चलते सरगुजा संभाग का चर्चित 28 करोड़ का बैंक घोटाला अब देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ED) की दहलीज पर पहुँच गया है। मंत्री रामविचार नेताम ने राजनीति से ऊपर उठकर एक योद्धा की तरह बलरामपुर के उन भोले-भाले किसानों का पक्ष लिया, जिनके मनरेगा और बैंक खातों के साथ जालसाजी की गई थी। मंत्री ने न केवल इस घोटाले को फाइलों से बाहर निकाला, बल्कि तत्कालीन प्रशासन को सख्त लहजे में हिदायत दी कि "दोषी चाहे कितना भी रसूखदार क्यों न हो, बचना नहीं चाहिए।"

कुसमी-शंकरगढ़ शाखाओं में 'पाप' का खेल

जांच में जो खुलासे हुए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। बैंक कर्मचारियों ने भ्रष्टाचार का एक ऐसा नेटवर्क तैयार किया था जिसमें:

फर्जी खातों का मायाजाल: आदिम जाति सहकारी समिति, जमड़ी के नाम पर फर्जी खाता खोलकर 19 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई।

RTGS का खेल: मनरेगा और जनपद पंचायत के बोगस खातों से जनता का पैसा निजी संस्थाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया गया।

अब तक का प्रहार: मंत्री की सख्ती के बाद बैंक के 10 कर्मचारियों पर FIR दर्ज कर उन्हें पहले ही सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है।

अब ED करेगी 'ऑपरेशन क्लीन'

मामला सिर्फ चोरी का नहीं बल्कि मनी लॉन्ड्रिंग का भी है, इसीलिए अब ED ने इस केस की कमान संभाल ली है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आश्वासन और मंत्री नेताम की पहल पर ED ने बैंक प्रबंधन को पत्र जारी कर विस्तृत रिकॉर्ड तलब किया है। माना जा रहा है कि ED की जांच में कुछ ऐसे 'सफेदपोश' चेहरे भी बेनकाब होंगे, जो पर्दे के पीछे बैठकर इन बैंक कर्मियों से यह काला खेल करवा रहे थे। रामविचार नेताम के इस साहसिक कदम ने प्रदेश में एक नया मानक स्थापित किया है। यह कार्रवाई उन सभी के लिए चेतावनी है जो सरकारी तंत्र में बैठकर किसानों के शोषण का सपना देखते हैं।

'रिश्वतखोर' बाबू गिरफ्तार: 1 लाख का जुर्माना कम करने के नाम पर मांग रहा था 20 हजार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) का अभियान तेजी से जारी है। ताजा मामला न्यायधानी बिलासपुर के अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (ADM) कार्यालय का है, जहाँ एक बाबू को रिश्वत की रकम के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बाबू होटल संचालक पर भारी-भरकम जुर्माने का डर दिखाकर मोटी रकम वसूलने की फिराक में था। पूरा मामला करगी रोड कोटा के एक होटल संचालक देवेंद्र कश्यप से जुड़ा है। अगस्त 2025 में खाद्य विभाग की टीम ने उनके होटल की जांच की थी, जिसमें पेड़ा खुली स्थिति में मिलने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह प्रकरण ADM कोर्ट में लंबित था। इसी का फायदा उठाते हुए कार्यालय के सहायक ग्रेड-3 बाबू विजय पांडेय ने पीड़ित को डराया कि उस पर 1 लाख रुपये तक का जुर्माना लग सकता है।

धमतरी में चंगाई सभाओं पर हंगामा हिंदू जागरण मंच ने जताया कड़ा विरोध

धमतरी। शहर के विभिन्न वार्डों में संचालित हो रही चंगाई सभाओं को लेकर रविवार को भारी बवाल देखने को मिला। हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने कई स्थानों पर चल रही इन सभाओं में पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण आयोजकों और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक और बहस हुई। हिंदू जागरण मंच का दावा है कि ये चंगाई सभाएं पूरी तरह अवैध हैं।

संगठन का आरोप है कि ये सभाएं बिना किसी आधिकारिक अनुमति के आयोजित की जा रही हैं। कार्यकर्ताओं के अनुसार, धर्म परिवर्तन से जुड़े मामलों में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया और सूचना देने के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि इन सभाओं में बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग हिस्सा ले रहे हैं, जो खुद को मूल धर्म का बताते हुए भी इन गतिविधियों से जुड़े हैं।

प्रशासन और पुलिस पर उठाए सवाल

विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंदू संगठनों ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जाहिर की। कार्यकर्ताओं का कहना है कि लगातार शिकायतों के बाद भी पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है, जिससे इस तरह के आयोजनों का दायरा बढ़ता जा रहा है।

मामले में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस ने जांच का भरोसा दिया है: पुलिस प्रशासन ने बताया कि सभाओं और आयोजकों की सूची मंगाई गई है। पुलिस का कहना है कि यदि जांच में नियमों का उल्लंघन पाया जाता है या सभाएं अवैध तरीके से संचालित पाई जाती हैं, तो संबंधित पक्षों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मदर्स डे पर 'भावुक' सौगात: अब सलाखों के पीछे से बच्चे की मुस्कान देख सकेंगी महिला कैदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की जेलों में बंद महिला कैदियों के लिए इस बार का 'मदर्स डे' (10 मई 2026) खुशियों की एक नई किरण लेकर आया है। राज्य सरकार ने जेल की ऊंची दीवारों और लोहे की सलाखों की दूरी को डिजिटल तकनीक से पाट दिया है। अब महिला बंदी न केवल अपने परिजनों की आवाज सुन सकेंगी, बल्कि वीडियो कॉलिंग के जरिए उनसे रू-ब-रू भी हो सकेंगी।

डिप्टी सीएम की घोषणा पर अमल

डिप्टी सीएम विजय शर्मा की घोषणा के अनुरूप राजधानी रायपुर के सेंट्रल जेल समेत प्रदेश की सभी 33 जेलों में 'प्रिजन इनमेट वीडियो कॉलिंग सिस्टम' का विधिवत शुभारंभ कर दिया गया है। यह आधुनिक सिस्टम जेल विभाग और BSNL के बीच हुए एक महत्वपूर्ण समझौते (MoU) का परिणाम है।

इस सिस्टम की 3 बड़ी विशेषताएं:

वर्चुअल मुलाकात: महिला बंदियों को अब मुलाकात कक्ष की लंबी कतारों और परिजनों को कोसों दूर से जेल तक आने की थकाऊ प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी।

कानूनी मदद में तेजी: कैदी न केवल परिवार, बल्कि अपने अधिवक्ताओं से भी वीडियो कॉल पर केस से जुड़ी चर्चा कर सकेंगी, जिससे उन्हें कानूनी सहायता मिलने में आसानी होगी।

न्यूनतम शुल्क: इस सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा एक निर्धारित शुल्क तय किया जाएगा, जिससे यह सिस्टम सुचारू रूप से चलता रहे।

कौशल का सम्मान और बच्चों को दुलार

मदर्स डे के इस खास मौके पर केवल तकनीक ही नहीं, बल्कि 'सम्मान' भी बांटा गया:

निश्चय कार्यक्रम: जेल में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 38 महिला बंदियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, ताकि वे भविष्य में स्वावलंबी बन सकें।

मासूमों को उपहार: जेल में अपनी माताओं के साथ रह रहे 14 बच्चों को जेल विभाग की ओर से उपहार बांटे गए, जिससे जेल परिसर का माहौल उत्सव जैसा नजर आया। कार्यक्रम के दौरान डीजी जेल हिमांशु गुप्ता, जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री, बीएसएनएल के विजय छबलानी और महिला जेल प्रभारी गरिमा पांडेय सहित पूरा जेल स्टाफ मौजूद रहा। यह पहल केवल एक तकनीकी सुविधा नहीं है, बल्कि महिला कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके पुनर्वास की दिशा में एक बड़ा कदम है। अपनों का चेहरा देख पाना कैदियों में सकारात्मकता पैदा करेगा, जो उन्हें अपराध की दुनिया से दूर एक बेहतर इंसान बनने में मदद कर सकता है।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

पाय लागू गले लागू

सियासत में कदम बोसी यानि कि चरण चुंबन एक कला है। कांग्रेस से शुरू हुई इस राजनीतिक विकृति का परिष्कृत स्वरुप भाजपा ने अपना लिया है। विकृति इसलिए कि 'कदम बोसी' के जरिये कितने ही नाकाबिल सत्ता हासिल लिए। और परिष्कृत स्वरुप से तात्पर्य है चरण वंदना कर मतदाताओं से क्लीन चिट मिलते रहना। पीएम मोदी बंगाल की जनता के सामने दंडवत होते हुए दिखाई दिए। पीएम मोदी ने मंच से दोनों हाथों को हिलाकर जनता का अभिवादन किया और फिर दंडवत होकर प्रणाम किये। सवाल उठता है कि पीएम मोदी को ऐसा करता देख मंच पर बैठे बड़े-बड़े दिग्गज ऐसा क्यों नहीं किये ? इसके बाद मंच पर प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के सबसे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में से एक माखन लाल सरकार का आशीर्वाद लिया। बंगाल की एक चुनावी रैली में योगी पहुंचे तो सांसद सुवेंदु अधिकारी तेजी से उनकी और बढ़े। सुवेंदु अधिकारी ने सीएम योगी को भगवा रंग का पटका पहनाया और वो उनके सामने लेट गए। उन्होंने उनके पैर छुए और आशीर्वाद लिया।

दोनों ही मामलों में यह कहा जा सकता है कि पश्चिम बंगाल की सियासत में आए बड़े बदलाव ने न केवल राजनीतिक समीकरणों को हिला दिया है, बल्कि आम समर्थकों के दिलों में भावनाओं का ज्वार भी पैदा कर दिया है। इसी तरह सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा एक वीडियो इस समय चर्चा का केंद्र बना हुआ है, जिसमें एक युवक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बड़ी सी होर्डिंग के सामने दहाड़ें मारते हुए फूट-फूटकर रोता हुआ दिखाई दे रहा है। जैसे ही बंगाल चुनाव के परिणामों में बीजेपी की जीत की खबरें पुख्ता हुईं, यह प्रशंसक अपनी सुध-बुध खो बैठा और सीधे होर्डिंग के चरणों में जा गिरा। उसकी आंखों से निकलते आंसू उस लंबे इंतजार और कड़ी मेहनत का फल लग रहे हैं, जिसका वह सपना देखा जा रहा था। संभवतयः पीएम मोदी का बंगाल की जीत के बाद जनता के सामने नतमस्तक होना उनकी सादगी, संस्कार और समर्पण के भाव प्रदर्शन का रहा होगा। यह भी हो सकता है कि उन पर चुनाव जीतने के पीछे लग रहे विपक्षी आरोपों का जवाब हो 'दंडवत प्रणाम'।

बंगाल फतह को विपक्ष एसआईआर, ईवीएम और चुनाव आयोग को मुख्य वजह मानता है। वैसे भी सियासत में साम, दाम, दंड और भेद का समावेश रहता ही है। लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि दूध, दही, छाछ, मक्खन, घी सब एक वंश के हैं। फिर भी सबकी कीमत अलग-अलग क्यों होती है ?...क्योंकि श्रेष्ठता जन्म से नहीं, अपने कर्म, कला और गुणों से प्राप्त होती है।

माताओं की हिस्सेदारी को मिले मान-सम्मान

डॉ. मोनिका शर्मा

माताओं के हिस्से स्नेह ही नहीं, संघर्ष भी आता है। इस भूमिका को जीते हुए अधिकतर स्त्रियां भावनात्मक धरातल पर उलझनों का सामना करती हैं। तकनीक और बदलती जीवनशैली ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। सतही स्तर पर देखें तो आज के दौर की मां का जीवन और जद्दोजहद आसान होती प्रतीत होती है, पर वास्तविक परिप्रेक्ष्य में उनकी उलझनें बढ़ी हैं। कामकाजी माताओं का बढ़ते आंकड़े और आर्थिक आत्मनिर्भरता ने परवरिश के मोर्चे पर उनकी आपाधापी में इजाफा ही किया है। वस्तुतः, मिलेनियल माओं की उलझनें सबसे अधिक हैं। ज्ञात हो कि 1981-1996 के बीच जन्मी महिलाओं की यह पीढ़ी मातृत्व के मोर्चे पर आधुनिक तकनीक को साधने के साथ ही परंपरागत जीवन की डोर भी थामे हुए हैं। डिजिटल युग की पहली अभिभावक पीढ़ी का हिस्सा कही जाने वाली ये माताएं तकनीकी कौशल, परिवेश के प्रति सजम और बच्चों के पालन-पोषण के मोर्चे पर जागरूक दृष्टिकोण अपनाती हैं। माताओं की इस पीढ़ी के लिए बच्चों का शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य भी अहम है।

डिजिटल पीढ़ी की ये माताएं बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने को भी प्राथमिकता देती हैं। विडंबना यह है कि गहरी भावनात्मक समझ रखने वाली मिलेनियल माताएं स्वयं थकान और उलझनों से जूझ रही हैं। टॉकर रिसर्च द्वारा 'इट्स ए फैमिली थिंग' के साथ मिलकर 2 हजार अमेरिकी महिलाओं पर किए गए सर्वे में सामने आया कि इसमें से लगभग आधी मिलेनियल माताएं स्वयं को मानसिक रूप से टूटा-थका हुआ और असंतुष्ट पाती हैं। वहीं 19 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें असंतोष और नाराजगी महसूस होती है। 40 फीसदी माताओं ने कहा कि अच्छे से घर और दूसरे दायित्व संभालने पर भी उन्हें श्रेय नहीं मिलता। घर-परिवार में माओं की भागदौड़ और भागीदारी को न समझने की स्थितियां दुनिया के हर समाज में एक सी हैं। यही वजह है कि इस अध्ययन के परिणाम गौर करने योग्य हैं। कहना गलत नहीं होगा कि एक साथ कई भूमिकाएं निभा रहीं माताओं की इस पीढ़ी के जिम्मेदारियों का बोझ कई मोर्चों पर थका रहा है। शिक्षित सजग कामकाजी माताएं हों या तकनीक-सामाजिक माहौल को पहले से बेहतर समझने-अपनाने वाली गृहिणियां, परवरिश के हर पहलू पर खरा उतरने को प्रयासरत हैं। ऐसे में जरूरी है कि समाज और परिवार में उनकी इस महती भूमिका को मान मिलना चाहिए। माताओं के स्वास्थ्य चिंताओं और मातृत्व से जुड़ी जद्दोजहद को समझना चाहिए। नई पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की परिवार ही नहीं समाज निर्माण में रेखांकित करने योग्य भूमिका है।

ध्यातव्य है कि वर्ष 2026 के लिए मातृ दिवस थीम 'राष्ट्र के मूक वास्तुकार' है। यह विषय सही मायने में माताओं के माताओ देश की भावी पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की विशेष भूमिका की ओर ध्यान खींचता है। उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखने और मौन ताकत को समझने पर केंद्रित है। ऐसे में माताओं की शक्ति, प्रेम और बलिदान का उत्सव मनाने वाला यह दिन पीढ़ियों को आकार देने वाले स्नेहमयी नेतृत्व की संघर्षशील भूमिका को समझाने का संदेश भी लिए है। भारत के सामाजिक-पारिवारिक ढांचे में मातृत्व की जिम्मेदारी के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कई परेशानियां उनके हिस्से आती हैं। प्रसवोत्तर अवसाद से लेकर शारीरिक व्याधियां तक घेर लेती हैं। तकलीफदेह है कि गांवों से लेकर महानगरों तक मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से उपजी भावनात्मक टूटन के दौर में भी अपनों का सहयोग नहीं मिलता। सहयोग सामंजस्य की कमी भी एक वजह है कि सिंगल चाइल्ड वाले परिवार बढ़ रहे हैं। औद्योगिक संगठन एसोचैम की सामाजिक विकास शाखा के सर्वे के मुताबिक 35 फीसदी कामकाजी माएं दूसरा बच्चा नहीं चाहतीं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार हमारे देश में करीब 72 फीसदी महिलाएं मां बनने के बाद नौकरी से दूरी बना लेती हैं। कार्यरत महिलाओं की बड़ी संख्या का आयूवर्ग परिवार बनाने वाला ही होता है। असल में देखा जाए तो मातृत्व की जिम्मेदारी उठाने वाली महिलाएं भी देश की श्रमशक्ति का अहम हिस्सा हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी यह भागीदारी बहुत मायने रखती है। कुछ समय पहले हुए अध्ययन के अनुसार मां का काम किसी नौकरी में करने वाले काम के मुकाबले ढाई गुना ज्यादा होता है। यह अध्ययन कहता है कि एक मां बच्चे की देखभाल में 98 घंटे प्रति सप्ताह काम करती है। हर दिन घंटों मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से भावनात्मक टूटन और थका देने वाली दिनचर्या में अपनों का सहयोग बेहद आवश्यक है। भावी नागरिकों का भविष्य बनाते हुए देश को गढ़ने वाली माताओं के प्रति सराहना भरा भाव और अपनों का संबल जरूरी है। राष्ट्र के मूक वास्तुकारों के रूप में उनकी भागीदारी बहुत गंभीरता से समझी जानी चाहिए।

असम : वैचारिक मुकाबले ने बदला राजनीतिक परिदृश्य

डॉ. चंद्र त्रिखा

असम में चुनाव परिणाम, चौंकाने वाले नहीं हैं, लेकिन उनका विश्लेषण चौंकाने वाला है। इस नए नजरिए का सबसे बड़ा कारण अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) का पतन है। इस बार चुनावों से राज्य में एक स्पष्ट राजनीतिक बदलाव देखने को मिला है। कांग्रेस ने अधिकतर मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने हिंदू वोटों के एकजुट समूह, जिनमें आदिवासी और चाय बागान मजदूर शामिल हैं, उन सभी सीटों पर जीत दर्ज की है। इस प्रवृत्ति के पीछे सबसे बड़ा कारण ऑल-इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) का पतन था, वह पार्टी जिसने असम में बंगाली भाषी मुसलमानों को राजनीतिक स्थान दिया, जिन्हें अक्सर 'मिया' कहा जाता है और जो असम की कुल आबादी का 35 प्रतिशत हैं। कई वर्षों तक, अल्पसंख्यक वोट, विशेषकर निचले असम और बराक घाटी में, कांग्रेस और एआईयूडीएफ के बीच बंटे रहे। इस विभाजन ने अक्सर भाजपा को कई सीटों पर और यहां तक कि सहयोगी एजीपी को भी फायदा पहुंचाया। इस बार इस चुनाव में मुस्लिम समुदायों के बीच रणनीतिक मतदान भी काफी देखने को मिला।

कई मतदाताओं का मानना था कि केवल कांग्रेस ही भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में है, जिसके कारण उन सीटों पर भी एकजुटता देखने को मिली, जहां कांग्रेस के उम्मीदवारों को विशेष रूप से मजबूत नहीं माना जाता था। इसी बीच, हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और क्षेत्र की सीमाओं से परे हिंदू वोटों को एकजुट करने में कामयाबी हासिल की। ऊपरी असम, उत्तरी तट और मध्य असम के कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची। एक अन्य प्रमुख कारक दर्रांग और नागांव जैसे जिलों में चलाए गए बेदखली अभियानों का प्रभाव था। असम में हार के बाद गौरव गोगोई ने पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं, मगर उन्हें पूरी स्थिति चुनावों से पूर्व ही समझ में आ जानी चाहिए थी। भाजपा के प्रभामंडल के और मोदी-अमित शाह लहर को जहां कई मुस्लिम मतदाताओं ने भय और असुरक्षा की भावना से देखा, वहीं बहुसंख्यक समुदाय के मतदाताओं के एक बड़े वर्ग, विशेष रूप से स्वदेशी असमिया भूमिपुत्रों ने इन्हें मजबूत प्रशासनिक कार्रवाई और भूमि संरक्षण उपायों के रूप में देखा। परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों में समानांतर एकीकरण हुआ। मुस्लिम, जिनमें ज्यादातर निचले असम के बंगाली भाषी मुस्लिम शामिल थे, कांग्रेस की ओर आकर्षित हुए और बहुसंख्यक समुदाय के मतदाता भाजपा के पीछे एकजुट हो गए। कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची। 2023 के परिसीमन अभ्यास ने असम के राजनीतिक समीकरणों को भी काफी हद तक बदल दिया। पहले कांग्रेस अल्पसंख्यकों के समर्थन और हिंदू वोटों के एक वर्ग के संयोजन से सीटें जीत लेती थी, लेकिन परिसीमन के बाद, कई सीटें या तो स्पष्ट रूप से बहुसंख्यक-बहुल या मुस्लिम-बहुल हो गईं। पहले लगभग 35 सीटों पर मुसलमानों का दबदबा रहता था, लेकिन परिसीमन के बाद मुस्लिम वर्चस्व घटकर लगभग 22 सीटों तक ही सीमित रह गया। अंतिम परिणाम में असम की इस राजनीतिक वास्तविकता में आए बदलाव की झलक दिखी। वैसे भी इससे कांग्रेस मुख्य रूप से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में ही प्रतिस्पर्धी बनी रही, जबकि भाजपा ने राज्य के अधिकांश बहुसंख्यक-केंद्रित क्षेत्रों में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया इसलिए 2026 के फैसले ने असम की राजनीति में एक गहरे परिवर्तन को उजागर किया है। धीरे-धीरे समुदाय आधारित चुनावी एकीकरण को रास्ता दे रही है।

राम-काज में आतुर और राज-काज में तत्पर हो जाएं

देश-सेवा में तत्पर रहें और देव-सेवा में आतुर रहें। वैसे तो विवेकानंद जी कहते हैं, देश ही पहला देव है। हम भारत को और परमात्मा के जिस स्वरूप को हम पूजते हों- बराबर रखें। इन दो शब्दों पर ध्यान दें- तत्पर होना और आतुर रहना। भाषा की दृष्टि से तो तत्पर कटिबद्ध व्यक्ति है। जो सकारात्मक होकर अनुशासित भाव से काम करे, वो तत्पर। आतुर में एक उतावलापन है, परिणाम प्राप्त होने की बेचैनी है, कहीं-कहीं अशांति है। लेकिन तुलसीदास जी ने हनुमान चालीसा की सातवीं चौपाई में लिखा है- विद्यावान गुनी अति चातुर, राम काज करिबे को आतुर। ये आतुर शब्द हनुमान जी पर जमता है क्या? असल में राम काज शब्द को समझेंगे तो आतुर के अर्थ बदल जाएंगे। ईश्वर का काम करने में तत्पर से अधिक आतुर रहिए और देश का काम करने में आतुर से अधिक तत्पर रहिए। परमात्मा को जीवन में लाना हो तो उतावलापन करने में दिक्कत नहीं। व्याकुलता ही तो हमारे अधूरेपन में ईश्वर को भरेगी।

साप्ताहिक शहर सत्ता

तमिलनाडु के पहले गैर-द्रविड़ सीएम बने विजय

टीवीके के नौ विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ, मंत्रिमंडल में एक महिला शामिल

तमिलगा वेत्री कषगम (TVK) के प्रमुख और विधायक दल के नेता सी जोसेफ विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर राज्य की राजनीति में नया अध्याय शुरू कर दिया. राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में आयोजित भव्य समारोह में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. इस मौके पर टीवीके कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मौजूदगी भी चर्चा में रही. विजय ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली, और उनके मंत्रियों ने भी इसी परंपरा को अपनाया. शपथ ग्रहण समारोह में टीवीके के कई वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली. इनमें आधव अर्जुन, एन आनंद और के ए सेंगोट्टैयन जैसे प्रमुख चेहरे शामिल हैं. यह सरकार तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति के लंबे वर्चस्व के बाद एक बड़ा बदलाव मानी जा रही है.

कौन-कौन बने मंत्री

मुस्तफा

मदुरै सेंट्रल से विधायक बने मुस्तफा टीवीके के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं. वे लंबे समय तक टीवी डिबेट्स में पार्टी का पक्ष मजबूती से रखते रहे और पार्टी के भरोसेमंद प्रवक्ताओं में गिने जाते हैं.

एस कीर्तना

सिवाकासी से जीत दर्ज करने वाली 29 वर्षीय एस कीर्तना टीवीके की सबसे युवा विधायक हैं. राजनीतिक कंसल्टेंट से राजनीति में आईं कीर्तना ने पहली ही बार में जीत दर्ज कर सभी को चौंका दिया.

टीके प्रभु

कारैकुडी से विजयी टीके प्रभु डॉक्टर हैं और उन्होंने चुनाव में NTK प्रमुख सीमान को हराकर बड़ा उलटफेर किया. उनकी सरल छवि और मजबूत पकड़ उन्हें लोकप्रिय बनाती है.

सेंगोट्टैयन

AIADMK के वरिष्ठ नेता और 8 बार विधायक रह चुके सेंगोट्टैयन ने TVK में शामिल होकर जीत हासिल की. वे पहले जयललिता और EPS सरकार में मंत्री रह चुके हैं.

एन आनंद

एन आनंद विजय के करीबी माने जाते हैं. वे संगठन के शुरुआती दौर से जुड़े रहे हैं और पुडुचेरी से विधायक रह चुके हैं.

आधव अर्जुन

खेल जगत से जुड़े आधव अर्जुन ऑल बास्केटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष हैं. उन्होंने DMK के नेता को हराकर राजनीति में बड़ी जीत हासिल की.

CTR निर्मल कुमार

डिजिटल रणनीति के विशेषज्ञ निर्मल कुमार ने TVK के सोशल मीडिया नेटवर्क को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाई है.

राज मोहन अरुमुगम

युवा चेहरा राज मोहन "Put Chutney" यूट्यूब चैनल से जुड़े रहे हैं और डिजिटल राजनीति में उनका बड़ा प्रभाव है.

वेंकटरमण

"ऑडिटर वेंकटरमण" वित्तीय रणनीति और चुनावी प्रबंधन के विशेषज्ञ हैं और उन्होंने कई बड़े नेताओं को हराकर जीत दर्ज की.

अरुण राज

पूर्व IRS अधिकारी और डॉक्टर अरुण राज प्रशासनिक अनुभव के साथ पार्टी के मजबूत रणनीतिकार हैं. वे 2025 में TVK से जुड़े।

पीएम मोदी ने दी बधाई, तो थलपति का आया रिएक्शन

तमिलनाडु में विजय सरकार ने शपथ ले ली है. इसी के साथ राज्य का नया अध्याय शुरू हो गया है. एक्टर से अभिनेता विजय ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है. उनके साथ 9 अन्य मंत्रियों ने शपथ ली है. ऐसे में पीएम मोदी ने विजय को मुख्यमंत्री बनने की बधाई दी है, जिसपर विजय ने भी प्रतिक्रिया दी है. पीएम मोदी ने विजय को बधाई देते हुए कहा कि थिरु सी. जोसेफ विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर बधाई. उनके आगे के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं. केंद्र सरकार लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ मिलकर काम करती रहेगी.वहीं, इस पर टीवीके प्रमुख विजय ने प्रतिक्रिया दी है. विजय ने कहा कि मैं माननीय पीएम मोदी जी का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं. मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने पर अपनी शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद. इसके अलावा विजय ने कहा कि हमारा एकमात्र उद्देश्य हमारे लोगों का कल्याण और उनकी प्रगति है. तमिलनाडु के निरंतर विकास के लिए हम केंद्र सरकार के सक्रिय सहयोग और समर्थन की आशा करते हैं. विजय ने तीन साल पहले टीवीके का गठन किया था. इस बार के चुनाव में उनकी पार्टी को सबसे कम आंका जा रहा था लेकिन उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए, डीएमके और एआईएडीएमके को पछाड़ दिया।

भारत द्वारा तबाह जैश का मुख्यालय फिर से बनकर तैयार, पाक ने की मदद

नई दिल्ली। आज से एक साल पहले 7 मई 2025 को भारतीय वायुसेना ने आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के बहावलपुर स्थित मुख्यालय मरकज सुभानल्लाह पर भारतीय समय अनुसार 1 बजकर 07 मिनट 24 सेकंड पर मिसाइल से स्ट्राइक की थी. जहां 1 बजकर 07 मिनट 24 सेकंड पर पहली मिसाइल ने मरकज सुभानल्लाह के प्रमुख कंपाउंड और परिसर को तहस नहस कर दिया था तो इसी मिसाइल स्ट्राइक के बाद परिसर के तीन गुंबद तबाह हो चुके थे और मरकज के मुख्य हाल में बड़ा सा गड्ढा बन गया था.हालांकि अक्टूबर 2025 में पाकिस्तान की सरकार की तरफ से मिले 25 करोड़ पाकिस्तानी रुपये के बाद आज एक साल के बाद आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद ने ऑपरेशन सिंदूर में ध्वस्त हुए अपने मरकज सुभानल्लाह कंपाउंड को फिर से बनाना शुरू कर दिया है. एबीपी न्यूज के पास जैश ए मोहम्मद के हेडक्वार्टर मरकज सुभानल्लाह के अंदर और बाहर दोनों की एक्सक्लूसिव तस्वीरें और वीडियो मौजूद हैं.

खत्म हो जाएगा रूस-यूक्रेन युद्ध?

डोनाल्ड ट्रंप ने किया 3 दिन के सीजफायर का ऐलान

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले 4 साल से ज्यादा समय से चल रहे युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ी घोषणा की है. उन्होंने कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच तीन दिन का सीजफायर होगा. यह युद्धविराम 9 मई, 10 मई और 11 मई तक लागू रहेगा. डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्हें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दोनों देशों ने तीन दिन के सीजफायर पर सहमति जताई है.ट्रंप ने बताया कि रूस में यह समय विक्ट्री डे के जश्न का है. वहीं यूक्रेन भी दूसरे विश्व युद्ध का एक अहम हिस्सा रहा है, इसलिए यह समय दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है. उन्होंने कहा कि इस सीजफायर के दौरान सभी तरह की सैन्य गतिविधियों को रोका जाएगा. इसके साथ ही दोनों देशों के बीच 1,000 कैदियों की अदला-बदली भी की जाएगी

ट्रंप ने पुतिन को कहा थैंक्यू

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में कहा कि यह अनुरोध उन्होंने खुद किया था और इसके लिए उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की का धन्यवाद किया. उन्होंने उम्मीद जताई कि यह कदम लंबे समय से चल रहे इस खतरनाक युद्ध को खत्म करने की शुरुआत साबित हो सकता है. ट्रंप ने कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद यह सबसे बड़ा संघर्ष माना जा रहा है और इसे खत्म करने के लिए बातचीत लगातार जारी है. उन्होंने अपनी पोस्ट के अंत में कहा कि शांति की दिशा में कोशिशें हर दिन आगे बढ़ रही हैं और दुनिया इस युद्ध के अंत के और करीब पहुंच रही है.

चीन में 2 पूर्व रक्षा मंत्रियों को मौत की सजा

बीजिंग। चीन की एक सैन्य अदालत ने भ्रष्टाचार के एक मामले में 2 पूर्व रक्षा मंत्रियों ली शांगूफ और वेई फेंगहे को मौत की सजा सुनाई है. हालांकि कोर्ट ने 2 साल की मोहलत भी दी है. अगर दो साल तक कोई नया अपराध नहीं किया तो सजा आजीवन कारावास में बदली जा सकती है.न्यूज एजेंसी एपी ने आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ के हवाले से बताया कि चीन की अदालत ने वेई फेंगहे को रिश्वत लेने का दोषी पाया और उन्हें 2 साल की मोहलत के साथ मौत की सजा सुनाई है. अदालत ने ली शांगफू को रिश्वत लेने और देने का दोषी पाया और उन्हें भी यही सजा सुनाई. चीन में निलंबित मौत की सजा को अक्सर आजीवन कारावास में बदल दिया जाता है. ये फैसले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को पद से हटाने के अभियान में सबसे ताजा मामले हैं. शी ने एक दशक से भी अधिक समय पहले भ्रष्टाचार विरोधी अभियान शुरू किया था और उनका यह अभियान लगातार जारी है।

खजाने का सबसे बड़ा और प्राथमिक स्रोत मेंबर कोटा है

दुनिया को कर्ज बाटंने वाले IMF के पास कहां से आता है पैसा?

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने हाल ही में पाकिस्तान के लिए 1.32 बिलियन डॉलर यानी करीब 11,322 करोड़ रुपये के नए सहायता पैकेज को हरी झंडी दे दी है. 9 मई को हुई बोर्ड की बैठक में लिए गए इस फैसले के बाद एक बार फिर यह सवाल चर्चा में है कि आखिर दुनिया के तमाम देशों को मुश्किल वक्त में कर्ज बांटने वाली इस संस्था के पास इतना धन आता कहां से है. आइए, आईएमएफ की तिजोरी के असली स्रोतों और इसके कामकाज के तरीके को विस्तार से समझते हैं.

क्या है आईएमएफ की सबसे बड़ी ताकत?

आईएमएफ के खजाने का सबसे बड़ा और प्राथमिक स्रोत मेंबर कोटा है. इसे आप एक तरह की सदस्यता फीस मान सकते हैं जो हर सदस्य देश को देनी पड़ती है. विश्व अर्थव्यवस्था में किसी देश की स्थिति और उसके आकार के आधार पर उसका कोटा तय किया जाता है. यह कोटा न केवल संस्था को पैसा उपलब्ध कराता है, बल्कि आईएमएफ के भीतर उस देश की वोटिंग पावर और उसकी अहमियत भी तय करता है. जिस देश की अर्थव्यवस्था जितनी बड़ी होती है, उसका कोटा और निर्णय लेने की शक्ति भी उतनी ही अधिक होती है. आईएमएफ केवल फंड इकट्ठा नहीं करता, बल्कि यह एक बैंक की तरह अपने कर्ज पर ब्याज भी वसूलता है. जब भी कोई सदस्य देश अपनी आर्थिक जरूरतों या संकट से निपटने के लिए आईएमएफ से उधार लेता है, तो उसे उस पर ब्याज देना पड़ता है. यह ब्याज दरें आईएमएफ के राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनती हैं, जिससे संस्था अपने प्रशासनिक खर्चों और अन्य वित्तीय गतिविधियों का संचालन करती है. कर्ज देने की यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सख्त शर्तों के साथ जुड़ी होती है.

न्यू अरेंजमेंट्स टू बोरो का विकल्प

कभी-कभी दुनिया में ऐसा आर्थिक संकट आता है जब सदस्य देशों द्वारा दिया गया कोटा फंड कम पड़ने लगता है. ऐसी स्थिति में आईएमएफ 'न्यू अरेंजमेंट्स टू बोरो' (NAB) का सहारा लेता है. इसके तहत आईएमएफ उन देशों या संस्थाओं से कर्ज लेता है जो आर्थिक रूप से बेहद मजबूत हैं और कर्ज देने की स्थिति में हैं. यह एक तरह का सुरक्षा जाल है जो यह सुनिश्चित करता है कि वैश्विक मंदी के समय आईएमएफ के पास धन की कोई कमी न हो. नाब (NAB) के अलावा आईएमएफ के पास फंड जुटाने का एक और तरीका 'बायलेटरल बोरोइंग एग्रीमेंट्स' (BBA) है. इसमें आईएमएफ सीधे तौर पर सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करता है. यह व्यवस्था तब की जाती है जब कोटा और नाब दोनों से मिली राशि वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए नाकाफी लगने लगती है. इन समझौतों के जरिए आईएमएफ अपनी ऋण देने की क्षमता को अस्थायी रूप से बढ़ा लेता है, ताकि वह संकटग्रस्त अर्थव्यवस्थाओं को डूबने से बचा सके।

कृष्णा स्वामीनाथन होंगे देश के अगले नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख होंगे. वो वर्तमान में मुंबई में पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडिंग इन चीफ हैं और 31 मई को कार्यभार संभालेंगे और उनका कार्यकाल 31 दिसंबर, 2028 तक रहेगा. मौजूदा नेवी चीफ एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की जगह लेंगे, जो 30 मई को रिटायर हो रहे हैं. वाइस एडमिरल स्वामीनाथन का भारतीय नौसेना में एक शानदार और लंबा करियर रहा है. इसी वजह से मोदी सरकार ने उन्हें नौसेना का नेतृत्व सौंपा है. वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने 31 जुलाई, 2025 को पश्चिमी नौसेना कमान के 34वें फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यभार संभाला था. वाइस एडमिरल स्वामीनाथन 1 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन हुए थे. वो संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ हैं. नौसेना प्रमुख के रूप में वाइस एडमिरल स्वामीनाथन पर भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और नौसेना के आधुनिकीकरण की बड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी. परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित हैं।

भुवनेश्वर के आगे बिखरी मुंबई इंडियंस 2 हार के बाद बेंगलुरु ने की वापसी

प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

नई दिल्ली। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार (4/23) की शानदार गेंदबाजी के सामने मुंबई इंडियंस की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई। भुवी की घातक गेंदबाजी के दम पर आरसीबी ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट पर 166 रन के मामूली स्कोर पर रोक दिया। 167 रन के टारगेट को आरसीबी ने आखिरी गेंद पर चेज कर लिया। गेंद के बाद भुवनेश्वर ने बल्ले से भी कमाल किया। उन्होंने 2 गेंदों पर नाबाद 7 रन बनाए। आरसीबी ने 2 विकेट से यह मैच जीता। 2 हार के बाद आरसीबी जीत की पटरी पर लौटी है। इस जीत के साथ बेंगलुरु प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। टीम के 14 अंक हैं। 167 रन चेज करने उतरी आरसीबी की शुरुआत खराब रही। दीपक चाहर ने टीम को 2 बड़े झटके दिए। पहले ही ओवर में दीपक चाहर ने विराट कोहली का विकेट चटकाया। कोहली का खाता नहीं खुला। अपने कोटे के अगले ओवर में चाहर ने देवदत्त पडिक्कल (12) का शिकार किया। पावरप्ले के आखिरी ओवर में कप्तान रजत पाटीदार (8) ने रयान रिकेल्टन को कैच थमा दिया।

आखिरी 2 ओवर का रोमांच

आखिरी 2 ओवर में आरसीबी को जीत के लिए 18 रन चाहिए थे। 19वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने 3 रन ही दिए। ऐसे में 20वें ओवर में आरसीबी को जीत के लिए 15 रन बनाने थे। सूर्यकुमार यादव ने यह ओवर राज बावा को दिया। उनकी पहली गेंद वाइड की। अगली गेंद पर कोई रन नहीं दिया। इसके बाद नो बॉल कर दी। हालांकि, फ्री हिट पर 1 रन ही बना। ऐसे में रसिख स्ट्राइक पर आ गए। तीसरी गेंद पर उन्होंने रोमारिया शेफर्ड को आउट किया। इसके बाद आए भुवनेश्वर कुमार ने सिक्स जड़ा और मैच को रोमांचक बना दिया। 5वीं गेंद पर भुवी ने 1 रन लिया। आखिरी गेंद पर रासिख ने 2 रन लिए और आरसीबी की जीत पक्की कर दी। इसके बाद क्रुणाल पांड्या ने जैकब बेथेल के साथ पारी को संभाला और 42 गेंदों पर 55 रन जोड़े। जैकब ने 27 गेंदों पर 27 रन की धीमी पारी खेली। 6 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने पांड्या का साथ दिया। इस बीच पांड्या ने अपनी पुरानी टीम के खिलाफ 33 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की। फिफ्टी लगाने के बाद भी क्रुणाल डटे रहे और उन्होंने रन बनाना जारी रखा। इस दौरान वह तकलीफ में भी नजर आए। ऐसे में उन्होंने सिर्फ बाउंड्री लगाने का फैसला लिया। 18वें ओवर में उन्होंने 2 सिक्स भी लगाए। हालांकि, तीसरा हवाई फायर करने के प्रयास में वह कैच आउट हो गए। क्रुणल ने 46 गेंदों पर 73 रन की पारी खेली। बाउंड्री पर तिलक वर्मा ने उनक बेहतरीन कैच लिया।

बेंगलुरु की जीत ने पूरी तरह बदल दिया प्लेऑफ का समीकरण

आईपीएल 2026 में रविवार को दो टीमों के अरमानों पर पानी फिर गया। पहला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला गया, जहां लखनऊ हार के साथ प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। इसके बाद रायपुर में खेले गए मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुंबई इंडियंस को दो विकेट से हरा दिया। इसी के साथ मुंबई इंडियंस भी प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। बेंगलुरु ने मुंबई के खिलाफ जीत हासिल कर टेबल टॉप कर दिया है। उनके अब 14 अंक हो गए हैं। इसी के साथ प्लेऑफ की रेस और भी दिलचस्प हो गई है। बेंगलुरु की इस जीत से राजस्थान को बड़ा झटका लगा है क्योंकि इससे पहले दोनों टीमों के 12-12 अंक थे लेकिन अब आरसीबी दो अंक आगे निकल गई है। आइए आपको बताते हैं कि आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की रेस में कौन-कौन सी टीमें बनी हुई हैं। आईपीएल 2026 में बेंगलुरु और मुंबई मैच के बाद टॉप-4 में बेंगलुरु, हैदराबाद, गुजरात और पंजाब की टीम शामिल है। बेंगलुरु ने 11 मैच खेले हैं और 7 मैचों में जीत हासिल की है। ऐसे में अगर वे अगले 3 मैचों में एक जीत हासिल करते हैं, तो प्लेऑफ में लगभग अपनी जगह पक्की कर लेंगे। तो वहीं अगर दो मुकाबले जीतते हैं, तो उनका प्लेऑफ कंफर्म हो जाएगा। यही स्थिति हैदराबाद और गुजरात के लिए भी बन रही है। पंजाब का एक मुकाबला बारिश की वजह से रद हो गया था और इसी वजह से उनके 10 मैचों में 13 अंक हैं। ऐसे में पंजाब को अपने अगले 4 मैचों में से कम से कम दो मैचों में जीत हासिल करनी होगी। इस तरह उनके 17 अंक हो जाएंगे और प्लेऑफ में क्वालीफाई कर सकते हैं। राजस्थान ने आईपीएल 2026 का शानदार अंदाज में आगाज किया था लेकिन दूसरे चरण में टीम कई मुकाबले हार गई है।

रोहित-कोहली के दीदार के लिए उमड़े फैंस

पैर टूटा,दोस्त कंधे पर बैठाकर मैच दिखाने लाए

मैच को लेकर विराट कोहली और रोहित शर्मा के फैंस का अलग ही क्रेज दिखाई दिया। महासमुंद से एक युवक पैर टूटने के बावजूद दोस्त के कंधे पर बैठकर स्टेडियम पहुंचा। वहीं राजस्थान से आए एक फैन ने शरीर पर सूर्यकुमार यादव का नाम लिखवाया और बताया कि वे पहले भी सूर्या का टैटू बनवा चुके हैं।

प्रेमानंद की तस्वीर लेकर पहुंचा विराट का फैन

रायपुर की प्रिशा केसरवानी ने RCB की जीत के लिए श्रीकृष्ण-राधा की पेंटिंग वाला पोस्टर बनाया, जबकि कुछ फैंस प्रेमानंद महाराज के साथ विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की तस्वीर वाले पोस्टर लेकर पहुंचे। बच्चों में भी खास उत्साह दिखा, जहां पापा रोहित शर्मा तो बेटा विराट कोहली का फैन नजर आया।

राजस्थान से आया सूर्य कुमार का फैंस

राजस्थान से आए एक फैंस ने अपनी बॉडी में सूर्य कुमार का नाम लिखावाया। उन्होंने बताया कि सूर्या सर की तरफ से उन्हें मैच का टिकट मिलता है। साल 2024 में उन्होंने अपने हाथ में सूर्या की फोटो का टैटू भी अपने हाथ में बनवाया।

फ्री पास की जमकर हुई कालाबाजारी

मैच के दौरान छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (CSCS) के फ्री पास की जमकर कालाबाजारी भी देखने को मिली। स्टेडियम के बाहर दलालों के गिरोह 4,000, 6,000 और 8,000 रुपए तक में टिकट बेचते नजर आए। इनमें ज्यादातर टिकट फ्री पास वाले बताए जा रहे थे। वहीं कई लोग ऑनलाइन खरीदे गए टिकट भी ऊंचे दामों पर बेचते दिखे। पत्रिका के पास ब्लैक में टिकट बेचने वालों के कई सबूत मौजूद हैं। पुलिस जहां ब्लैक मार्केटिंग करने वालों पर कार्रवाई की बात कह रही थी, वहीं दूसरी ओर खुलेआम टिकटों की गड्डियां लेकर दलाल बिक्री करते नजर आए। इससे पुलिस की कार्रवाई और व्यवस्था पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

साप्ताहिक शहर सत्ता

कांग्रेस-इंडी गठबंधन के खिलाफ आ सकता है निंदा प्रस्ताव

किरणदेव की नई टीम की पहली बैठक 13 मई को, 400 से ज्यादा पदाधिकारी होंगे शामिल

रायपुर। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 13 मई को पार्टी प्रदेश मुख्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में होगी। कार्यसमिति में राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री शिवप्रकाश विशेष रूप से शामिल होंगे। इसके अलावा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्बाल, प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय, प्रदेशाध्यक्ष किरणदेव और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के अलावा भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सभी पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। प्रदेशाध्यक्ष किरणदेव की नई टीम के गठन के बाद यह पहली प्रदेश कार्यसमिति की बैठक है। इसमें पूरे प्रदेश से करीब 400 से ज्यादा पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक में नारी शक्ति वंदन अभिनंदन बिल का विरोध करने पर कांग्रेस व इंडी गठबंधन के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी आ सकता है।

वैसे तो भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हर तीन महीने में आयोजित की जाती है, मगर संगठन चुनाव के बाद नियुक्ति में हुई लेटलतीफी के चलते कार्यसमिति की बैठक अब जाकर बुलाई गई है। भाजपा सूत्रों की मानें तो कार्यसमिति की बैठक एक पहले से तयशुदा फ्रेमवर्क में होती है। जिसमें राजनीतिक प्रस्ताव लाए जाते हैं, मगर इस बार राजनीतिक प्रस्ताव के साथ-साथ नारी शक्ति वंदन अभिनंदन बिल का विरोध करने पर कांग्रेस व इंडी गठबंधन के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी पारित किए जाने की खबर है। बहरहाल प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्ययोजना पर चर्चा होती है और संगठनात्मक निर्णय लिए जाते हैं। कार्यसमिति की बैठक सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगी, जिसके दिनभर चलने की जानकारी है। इसमें अलग-अलग सत्रों में नेतागण पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देंगे।

12 मई को भाजपा कोर ग्रुप में तय होगा एजेंडा

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का एजेंडा तय करने के लिए एक दिन पहले यानी 12 मई को भाजपा कोर ग्रुप की बैठक ठाकरे परिसर में शाम 6 बजे से होगी। कोर ग्रुप की बैठक भी लंबे समय बाद हो रही है। कोर ग्रुप की बैठक में कार्यसमिति की रूपरेखा तय की जाती है और उसी के अनुसार बैठक आयोजित की जाती है। इस बार कोर ग्रुप की बैठक के तुरंत बाद शाम 7.30 बजे प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक भी बुलाई गई है, ताकि कार्यसमिति की बैठक की जिम्मेदारी बांटी जा सके।

चुनावी तैयारियों की होगी शुरूआत

भाजपा कोर ग्रुप की बैठक, भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक और प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को लेकर भाजपा सूत्रों का कहना है कि लंबे समय बाद बैठक हो रही है। चूंकि राज्य में भाजपा की सरकार को ढाई साल पूरे हो चुके हैं। आमतौर पर आने वाला ढाई साल कई मायनों में महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि बारिश के मौसम के चलते आने वाले सालों के करीब 12 महीनों में संगठनात्मक गतिविधियां कमजोर रहती हैं और चुनाव आदर्श आचार संहिता में छह महीने का समय निकल जाता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी लाया जाएगा

रायपुर। प्रदेश भाजपा संगठन की प्रदेश कार्यसमिति करीब पौने दो साल बाद अब जाकर तय हुई है। 13 मई को कार्यसमिति होगी, इसके एक दिन पहले 12 मई को प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में एजेंडा तय होगा। पहले यह कार्यसमिति 8 और 9 मई को होने वाली थी, लेकिन बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण के कारण इसकी तिथि में बदलाव किया गया है। कार्यसमिति में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश आएंगे लेकिन ऐसा पहली बार होगा जब प्रदेश कार्यसमिति प्रदेश प्रभारी के बिना होगी, प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं और उनका कार्यसमिति में आना संभव नहीं है। कार्यसमिति के राजनीतिक प्रस्ताव में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी लाया जाएगा।

इसी के साथ छत्तीसगढ़ के नक्सलमुक्त होने पर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ धन्यवाद प्रस्ताव भी लाया जाएगा। प्रदेश कार्यसमिति हर तीन माह में करने का प्रावधान तो है, लेकिन इसके लिए सबसे अहम यह है कि राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद ही प्रदेश कार्यसमिति होती है। राष्ट्रीय कार्यसमिति में जो तीन माह की कार्ययोजना तय होती है, उसी पर प्रदेश कार्यसमिति में चर्चा होती है। इसके बाद जिलों और फिर मंडल में कार्यसमिति होती है। छत्तीसगढ़ में सितंबर 2024 में भाजपा के सदस्य अभियान से पहले प्रदेश कार्यसमिति हुई थी, इसके बाद से करीब पौने दो साल से कार्यसमिति नहीं हुई है। किरण देव को भाजपा का पूर्णकालिक अध्यक्ष बने भी सवा साल से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन उनके कार्यकाल में अब तक एक भी कार्यसमिति नहीं हो सकी है।

रायपुर शहर जिला भाजपा की बैठक में बूथ से लेकर जिले तक बनी कार्ययोजना

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी रायपुर शहर जिला की बैठक में संगठनात्मक कार्यक्रमों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान 2026 के तहत आयोजित होने वाले जिला प्रशिक्षण वर्ग की रूपरेखा एवं मंडल, शक्ति केंद्र तथा बूथ स्तर पर नियमित बैठकों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भाजपा को मिली ऐतिहासिक विजय पर कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा, यह जीत कार्यकर्ताओं के कठोर परिश्रम, समर्पण और जीवटता का परिणाम है। बैठक में रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी एवं रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने, नियमित बैठकों के आयोजन और मन की बात कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। अशोक बजाज ने 23 एवं 24 मई को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग की विस्तृत जानकारी दी। जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने कहा, संगठन की वास्तविक शक्ति बूथ में निहित है। उन्होंने बताया, जिले में बूथों की संख्या बढ़कर 1479 हो गई है, ऐसे में प्रत्येक बूथ पर 25 सदस्यीय सशक्त समिति का गठन, पूर्व समितियों का शुद्धिकरण एवं नवीनीकरण अत्यंत आवश्यक है।

स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली, कांग्रेस ने सीएमओ कार्यालय का किया घेराव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हेल्थ सर्विसेज की बदहाल स्थिति पर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया है. कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय का घेराव कर भाजपा सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया है. इस विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का मुक्की भी देखने को मिली. कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा चुकी है. मरीज अस्पतालों में चक्कर काटने को मजबूर है, और भाजपा सरकार जनता की जान से खिलवाड़ कर रही है. कांग्रेस ने चेतावनी दी की जब तक स्वास्थ्य व्यवस्थाओ में सुधार नहीं होता है, तब तक उनका आंदोलन लगातार जारी रहेगा.

रायपुर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के बाहर जिला कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जमा हुए. उसके बाद उन्होंने जिला स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य मंत्री, और मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. इन्होंने राजधानी की बिगड़ी स्वास्थ्य स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए, इस दौरान कार्यकर्ता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के बाहर जमीन पर बैठ गए और अपना विरोध दर्ज कराया. कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था , पुलिस ने कार्यालय के प्रवेश द्वार पर बैरिकेट्स लगा रखे थे. जिससे प्रदर्शनकारी अंदर ना जा सके.प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता कार्यालय में प्रवेश करने की कोशिश करने लगे.जिन्हें पुलिस ने अंदर जाने से रोका लेकिन यह कार्यकर्ता कार्यालय में अंदर घुसने के लिए जोर लगाते रहे इस बीच पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का मुक्की भी देखने को मिली. प्रदर्शन के दौरान काफी देर तक गहमा गहमी का माहौल था.

पार्टी के भीतर समर्थन और सुझावों में आने लगे नेता

टीएस के बयान के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर फिर सियासत गरमाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में संगठन के नेतृत्व को लेकर एक बार फिर बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने सार्वजनिक रूप से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने की इच्छा जाहिर कर सियासी पारा गरमा दिया है।

उनके इस बयान के बाद अब पार्टी के भीतर से ही समर्थन और सुझावों के स्वर उभरने लगे हैं, जिसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत का बयान काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। टीएस सिंहदेव ने स्पष्ट किया कि यदि वर्तमान अध्यक्ष दीपक बैज को पद से हटाया जाता है और पार्टी उन्हें जिम्मेदारी सौंपती है, तो वे इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, अध्यक्ष पद की संभावित सूची में एक नाम उनका भी शामिल रहेगा। उनके इस आत्मविश्वास से कांग्रेस खेमे में नई चर्चा शुरू हो गई है। सिंहदेव की दावेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि टीएस बाबा हमारे 'राजा-महाराजा' हैं और उनके परिवार ने सरगुजा अंचल में लंबे समय तक कांग्रेस की मजबूती के लिए काम किया है। उन्होंने आगे कहा, चाहे आदिवासी नेता हो, सामान्य वर्ग का या पिछड़ा वर्ग का अंततः पार्टी आलाकमान जिसे चुनता है, वही कमान संभालता है।

सरगुजा और बस्तर क्षेत्रीय संतुलन की चुनौती

अमरजीत भगत ने कांग्रेस नेतृत्व को आगाह करते हुए कहा, बीजेपी ने सरगुजा संभाग से आदिवासी मुख्यमंत्री बनाकर बड़ा दांव खेला है। ऐसे में कांग्रेस को भी सरगुजा संभाग पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि यदि सरगुजा और बस्तर के आदिवासियों को साधने की सही व्यवस्था नहीं की गई, तो पार्टी और जनता के बीच गैप बढ़ सकता है। उन्होंने एक ऐसे अध्यक्ष की जरूरत बताई, जो सभी वर्गों को साथ लेकर चल सके। उन्होंने कहा, मैंने कभी अध्यक्ष बनने के बारे में नहीं सोचा, मैं केवल एक आम कार्यकर्ता हूं। अपने राजनीतिक गुरु स्व. अजीत जोगी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, जोगी ने नई पार्टी बनाई तब भी वे कांग्रेस छोड़कर नहीं गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे हमेशा पार्टी लाइन के साथ रहेंगे और अनुशासनहीनता उन्हें स्वीकार नहीं है।

मुख्यमंत्री ने मुंगेली को दी 353 करोड़ के विकास कार्यों की ऐतिहासिक सौगात

414 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और जल सुविधाओं को मिलेगा नया विस्तार

रायपुर। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज मुंगेली जिला विकास, जनकल्याण और सुशासन के एक ऐतिहासिक अध्याय का साक्षी बना। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जिला मुख्यालय स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल होकर जिले को 353 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक की लागत वाले 414 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 152 करोड़ 02 लाख रुपये से अधिक की लागत के 284 कार्यों का लोकार्पण तथा 201 करोड़ 56 लाख रुपये से अधिक की लागत के 130 कार्यों का शिलान्यास शामिल है। इन कार्यों से जिले में आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और जनसुविधाओं को नई मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वाणिज्य एवं उद्योग, श्रम तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक, मुंगेली विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले, तखतपुर विधायक श्री धरमजीत सिंह, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री श्रीकांत पाण्डेय, नगर पालिका अध्यक्ष श्री रोहित शुक्ला सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम के दौरान पुष्प वाटिका एवं चौपाटी, नहर, एनीकट, लाइवलीहुड कॉलेज भवन पहुंच मार्ग, मुंगेली-भटगांव पहुंच मार्ग सहित अनेक सड़क निर्माण कार्यों, महतारी सदनों, छात्रावासों, जल जीवन मिशन के कार्यों, सामुदायिक भवनों, अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों, प्राथमिक शाला भवनों, सांस्कृतिक मंचों, सीसी सड़कों, अमृत सरोवरों तथा आंगनबाड़ी भवनों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही विभिन्न ग्रामों में सीसी सड़क, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सड़क मार्ग, एसटीपी निर्माण, तालाब सौंदर्यीकरण, फुटपाथ और पुल निर्माण सहित अनेक विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया गया। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद विद्यालय मोतिमपुर, लालपुरथाना, लोरमी, पथरिया और सरगांव का वर्चुअल लोकार्पण भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुशासन सरकार विकास और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज मुंगेली जिले को मिली विकास कार्यों की यह बड़ी सौगात आने वाले समय में जिले के विकास को नई गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से आमजनों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है तथा शिकायतों के समाधान में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर भक्ति और श्रम की प्रतीक माता कर्मा, सामाजिक समरसता के प्रतीक बाबा गुरु घासीदास, संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा शौर्य और त्याग के प्रतीक महाराणा प्रताप की प्रतिमाओं का अनावरण करते हुए कहा कि ये महापुरुष समाज को प्रेरणा देने वाले आदर्श हैं। उन्होंने नवागढ़ रोड में वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा स्थापना के लिए 25 लाख रुपये, मुंगेली में पोस्ट मैट्रिक छात्रावास भवन निर्माण, मेला नवागांव में बाउंड्रीवाल एवं प्रवेश द्वार निर्माण के लिए 20 लाख रुपये तथा सीसी सड़क निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की घोषणा की। साथ ही चिकित्सा महाविद्यालय की मांग को पूरा करने के लिए सकारात्मक आश्वासन दिया। केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने जिले को मिली 353 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात के लिए मुख्यमंत्री का अभिनंदन करते हुए कहा कि प्रदेश में विकास और सुशासन को नई दिशा मिल रही है। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि सरकार जनता के दुख-दर्द को समझते हुए त्वरित निर्णय ले रही है और मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रभारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुंगेली जिला निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और यह सब मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है।

सुशासन तिहार से संवरी जोधन राम की खेती

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार प्रदेश के किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रहा है। इस अभिनव पहल के माध्यम से अंतिम छोर तक बसे लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से मिल रहा है। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मणगढ़ के किसान जोधन राम इसकी जीवंत मिसाल हैं, जिनकी खेती को अब नई मजबूती मिली है। जोधन राम ने सुशासन तिहार के तहत आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के लिए आवेदन किया था। जिला प्रशासन की तत्परता और कार्यकुशलता के चलते उनका आवेदन शीघ्र स्वीकृत हुआ और उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध करा दिया गया। जोधन राम बताते हैं कि पहले इस प्रकार की प्रक्रियाओं में काफी समय लग जाता था, लेकिन अब शासन की संवेदनशील व्यवस्था के कारण गांव में ही समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। किसान क्रेडिट कार्ड मिलने से जोधन राम को अब खेती के लिए आवश्यक खाद, बीज और अन्य कृषि सामग्री समय पर उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी में समय का बहुत महत्व होता है और संसाधनों की समय पर उपलब्धता से फसल उत्पादन बेहतर होगा तथा आर्थिक स्थिति भी

12 किमी का मुश्किल सफर अब अनिल के लिए हुआ आसान

हौसले बुलंद हों और शासन का साथ मिल जाए, तो कोई भी बाधा सपनों को नहीं रोक सकती। बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम नागपुरा के रहने वाले अनिल कुमार की कहानी आज इसी बदलाव की गवाही दे रही है। सुशासन तिहार के माध्यम से मिली एक मोटरराइज़्ड ट्राइसिकल ने न केवल अनिल के रास्ते की दूरी कम की है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को नई ऊँचाई दी है। अनिल कुमार 12वीं कक्षा के छात्र हैं और 70 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद उनके मन में पढ़ने की तीव्र इच्छा है। लेकिन उनके घर से स्कूल की दूरी 12 किलोमीटर है। रोज़ लंबी दूरी तय करना, ऊबड़-खाबड़ रास्ते और स्कूल पहुँचने के लिए दूसरों पर निर्भरता अनिल की पढ़ाई में बड़ी बाधा थी। अनिल के परिवार वाले भी उनकी सुरक्षा और पहुँच को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे। बानाबेल में आयोजित श्सुशासन तिहारश् समाधान शिविर अनिल के जीवन में टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। अनिल ने अपनी समस्या अधिकारियों के सामने रखी। शासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मौके पर ही आवेदन का निराकरण किया और अनिल को मोटरराइज़्ड ट्राइसिकल प्रदान की। ट्राइसिकल की चाबी मिलते ही अनिल के चेहरे पर जो चमक दिखी, वह आत्मनिर्भर होने के गर्व की थी। अब अनिल बिना किसी मानवीय सहारे के स्वयं वाहन चलाकर समय पर स्कूल पहुँच सकेंगे। पहले स्कूल पहुँचना ही सबसे बड़ी चुनौती थी, जिससे पढ़ाई प्रभावित होती थी। अब मेरी मुश्किलें आसान हो गई हैं। अनिल कुमार ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मेरे सपनों को नई रफ़्तार दी है।

अब टपकती छत नहीं बल्कि पक्के घर का मिला सुकून

सुशासन तिहार 2026 अनेक जरूरतमंद परिवारों के जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत घोघरा निवासी श्रीमती मोनिका तिर्की के लिए यह अभियान किसी सपने के सच होने जैसा साबित हुआ। जनसमस्या निवारण शिविर में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित पक्के मकान की चाबी और पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। मोनिका तिर्की ने बताया कि वे लंबे समय से अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में रह रही थीं। बरसात के मौसम में खपरैल की छत से पानी टपकता था, जिससे पूरी रात जागकर बच्चों को सुरक्षित स्थान पर सुलाना पड़ता था। हर बारिश चिंता और परेशानी लेकर आती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर मिलने से अब उनकी यह चिंता पूरी तरह समाप्त हो गई है। मोनिका अब अपने तीन बच्चों दो बेटियों और एक बेटे के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक आवास में रह सकेंगी। उन्होंने कहा कि पक्के घर ने उनके परिवार को सुरक्षा, आत्मविश्वास और नई उम्मीद दी है। श्रीमती मोनिका तिर्की ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की संवेदनशील पहल से आज उनका वर्षों पुराना सपना

फिल्मी सितारों ने खास अंदाज में मनाया मदर्स डे

मदर्स डे 2026 के खास मौके पर बॉलीवुड सितारे भी अपनी मां के लिए प्यार जाहिर करते नजर आए. किसी ने मां के साथ बिताए खूबसूरत पलों की झलक शेयर की, तो किसी ने पुरानी यादों से जुड़ी अनदेखी तस्वीरें पोस्ट कर इस दिन को और खास बना दिया. सनी देओल से लेकर संजय दत्त तक कई स्टार्स ने सोशल मीडिया पर इमोशनल पोस्ट शेयर कर अपनी मां के लिए प्यार जताया है. इन तस्वीरों में स्टार्स की जिंदगी का वह साइड देखने को मिला, जो ग्लैमर से दूर सिर्फ परिवार और मां के साथ जुड़े रिश्तों की खूबसूरती दिखाता है. मदर्स डे के खास मौके पर बॉलीवुड सितारों ने भी अपनी मां के लिए प्यार जाहिर करने का कोई मौका नहीं छोड़ा. किसी ने खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर पुरानी यादें ताजा कीं, तो कोई मां के लिए इमोशनल नोट लिखता नजर आया. सोशल मीडिया पर सितारों की ये खास पोस्ट फैंस का दिल जीत रही हैं. आइए देखते हैं किस स्टार ने किस अंदाज में सेलिब्रेट किया मदर्स डे के सबसे प्यारे पल.

मदर्स डे के खास मौक पर सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर एक रील पोस्ट किया है. जिसमें उनकी मां के साथ बिताए हुई खूबसूरत यादें हैं. किसी फोटो में वो मां को गले लगाते दिख रहे हैं. किसी में वो मां के साथ पहाड़ों पर एंजॉय करते नजर आ रहे हैं. उन्होंने पोस्ट में लिखा- लव यू मां.

अपनी मां नरगिस दत्त को याद करते हुए संजय दत्त ने लिखा- मम्मा. मैं आपको बहुत मिस करता हूं. काश आप मेरे साथ होती. आपका प्यार और आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ है. लव यू. इसके अलावा उन्होंने कुछ खूबसूरत फोटोज भी पोस्ट की हैं. एक तस्वीर में संजय अपनी मां की गोद में बैठे हैं. वहीं दूसरे फोटो में संजय और उनकी बहनें मां के साथ पोज दे रही हैं.

एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी में बहुत ही खास तरीके से मदर्स डे सेलिब्रेट किया है. जिसकी झलक उन्होंने अपने इंस्टग्राम स्टोरी पर दिखाई है. एक्ट्रेस ने एक छोटा सा वीडियो शेयर किया है जिसमें वे कार में अपनी मां के लिए बुके और गिफ्ट के साथ सर्प्राइज दे रही हैं. इस वीडियो के साथ हंसिका ने लिखा-हैपी मदर्स डे मां, लव यू.

एक्टर अनुपम खेर ने भी मदर्स डे पर अपनी मां के लिए खास पोस्ट किया है. उन्होंने अपनी मां के साथ बिताए खास पलों की कुछ वीडियोज पोस्ट की हैं और साथ ही बहुत ही प्यारा सा कैप्शन भी लिखा है. पोस्ट कर लिखा, 'मां सिर्फ जन्म नहीं देती. वो हमें हर दिन थोड़ा-थोड़ा बनाती है. अपने हिस्से की नींद, खुशियां, इच्छाएं और कभी-कभी पूरा जीवन तक चुपचाप हमारे नाम कर देती है.

मां बनने के बाद बदल गया अभिनेत्रियों का करियर, ओटीटी पर कर रही राज

बॉलीवुड एक्ट्रेसेस का करियर मां बनने के बाद खत्म माना जाता है. हालांकि, आज की लीडिंग लेडीज इस सोच को बदल रही हैं. वह बच्चों और करियर के बीच संतुलन बना रही है और अपने करियर को नई ऊंचाइयां दे रही हैं. मां बनने की जिम्मेदारियों और फिल्म सेट की कड़ी मेहनत के बीच तालमेल बिठाते हुए, ये एक्ट्रेसेस ताकत और बदलाव की मिसाल बन गई हैं. इन्होंने दुनिया को दिखाया है कि मां बनना एक सफल करियर का हिस्सा हो सकता है, उससे अलग नहीं.

काजोल

90 की सुपरस्टार काजोल ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं. काजोल के बड़े बच्चे हैं. मां बनने के बाद उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लिया था. हालांकि उसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया और ओटीटी (OTT) की दुनिया में कदम रखा. उन्होंने द ट्रायल - प्यार, कानून, धोखा (The Trial - Pyaar, Kaanoon, Dhokha) से डेब्यू किया. यह डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हुई. इस लीगल ड्रामा में उन्होंने 'नोयोनिका सेनगुप्ता' नाम की एक हाउस वाइफ का रोल प्ले किया जो अपने पति के जेल जाने के बाद वकील के रूप में करियर फिर से शुरू करती है. वहीं त्रिभंगा (Tribhanga), लस्ट स्टोरीज 2 (Lust Stories 2) मां जैसे कई ओटीटी प्रोजेक्ट्स में वह दिखीं.

सुष्मिता सेन

सुष्मिता सेन की दो बेटियां रेनी और अलीसा हैं. उन्होंने दोनों को तब गोद लिया था, जब बॉलीवुड में अकेले मां बनना बहुत कम देखने को मिलता था. उन्होंने अपनी बेटियों की परवरिश के लिए सिनेमा से ब्रेक ले लिया था. हालांकि बाद में उन्होंने OTT प्लेटफॉर्म पर 'आर्या' के साथ वापसी की. इसके ज़रिए उन्होंने दुनिया को दिखाया कि मां बनना कोई रुकावट नहीं, बल्कि आगे बढ़ने की एक प्रेरणा है. उनके शो को समीक्षकों द्वारा सराहा गया. बाद में वह 'ताली' में नजर आईं.

माधुरी दीक्षित

करियर के पीक पर माधुरी दीक्षित ने डॉ. श्री राम नेने से शादी कर के बॉलीवुड को अलविदा कह दिया. इस शादी से उनके दो बेटे हुए. बाद में उन्होंने देश वापसी की और सिनेमा में किस्मत आजमाई, लेकिन पहले की तरह सफल नहीं हो पाई. फिर उन्होंने OTT की दुनिया में डेब्यू किया. उन्होंने JioHotstar पर साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज़ 'Mrs. Deshpande' (2025), Netflix ड्रामा 'The Fame Game' (2022), और Prime Video फ़िल्म 'Maja Ma' (2022) में मुख्य भूमिका निभाई है. ओटीटी पर माधुरी की एक्टिंग की जमकर सराहना हुई.

मुझे स्टारकिड्स से रिप्लेस किया गया, कृति सैनन का छलका दर्द

बॉलीवुड में अपनी मेहनत और दमदार एक्टिंग के दम पर अलग पहचान बनाने वाली कृति सैनन आज इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हैं. बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड और गॉड फादर के बॉलीवड में जगह बनाना आसान नहीं होता, लेकिन कृति ने ये साबित कर दिखाया है कि टैलेंड और मेहनत के दम पर हर मुश्किल को पार किया जा सकता है. हाल ही में कृति सैनन ने नेपोटिज्म पर बेबाकी से अपनी बात रखी है. GQ के साथ हाल ही में हुए एक इंटरव्यू में कृति सैनन ने अपने फिल्मी सफर के उतार-चढ़ाव के बारे में बात की. उन्होंने खुलासा किया कि उनके करियर के शुरुआती दौर में कई बार उन्हें फिल्मों से सिर्फ इसलिए बाहर कर दिया गया ताकि किसी स्टारकिड्स को मौका दिया जा सके. उन्होंने बताया कि फिल्मी बैकग्राउंड से न आने वाले कलाकारों को इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है.

फिल्म 'मिमी' से पहले किया संघर्ष

कृति ने बताया कि फिल्म 'मिमी' उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई, लेकिन उससे पहले उन्हें लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा. उन्होंने कहा, 'मिमी से पहले मैं कई बार बहुत निराश हुई. मुझे लगता था कि मैं और अच्छा कर सकती हूं, लेकिन मुझे वैसी फिल्में और मौके नहीं मिल रहे थे. कई ऐसे रोल थे जिनके बहुत करीब पहुंचने के बाद भी वे स्टारकिड्स को दे दिए गए. ये ऐसी चीज थी जो मेरे कंट्रोल में नहीं थी.' उन्होंने आगे कहा, 'जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, तो आपको हमेशा इस बात का डर रहता है कि आगे काम मिलेगा या नहीं. मैंने धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए रिस्क लिए और सोच-समझकर फैसले किए. मुझे जो भी मौके मिले हैं, वो मैंने अपनी मेहनत से कमाए हैं. मुझे कुछ भी आसानी से नहीं मिला.'कृति ने कहा, 'मेरे करियर में ऐसे भी दौर आए जब मैं बहुत कन्फ्यूज थी. मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या सही है और क्या गलत. मैंने कुछ ऐसी फिल्में साइन कीं जो मेरे लिए फायदेमंद साबित नहीं हुईं. उस समय ऐसा लग रहा था कि कुछ भी काम नहीं कर रहा. आज पीछे मुड़कर देखती हूं तो लगता है कि उन मुश्किल दिनों ने मुझे बहुत कुछ सिखाया।

70 करोड़ के पार हुई राजा शिवाजी की कमाई

रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' को फैंस भर-भरकर प्यार दे रहे हैं. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रखा है. 'राजा शिवाजी' की स्टोरीलाइन और रितेश देशमुख की एक्टिंग को फैंस बहुत प्यार दे रहे हैं. आइए नजर डालते हैं फिल्म के कलेक्शन पर. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म ने शनिवार को 5.60 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म को 3962 शोज मिले. फिल्म को 27.8 परसेंट ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म ने 1.35 करोड़ हिंदी भाषा में और मराठी में 4.25 करोड़ कमाए. फिल्म ने टोटल नेट 61.45 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. वहीं ग्रॉस फिल्म ने 70 करोड़ का आंकड़ा टच कर लिया है. फिल्म ने टोटल ग्रॉस 72.91 करोड़ की कमाई कर ली है. पहले दिन फिल्म ने 11.35 करोड़ कमाए. दूसरे दिन फिल्म ने 10.55 करोड़ का कलेक्शन किया. तीसरे दिन फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ. तीसरे दिन फिल्म ने 12 करोड़ कमाए. चौथे दिन फिल्म ने 5.60 करोड़ कमाए।

हजारों वर्ष की पाण्डुलिपि संग्रहित हैं मल्हार नगर के एक निजी संग्रहालय में

राजेश पांडे

सोमवंशीकालीन सातवीं शताब्दी का पांडुलिपि मल्हार नगर के रघुनंदन प्रसाद पांडे के निजी संग्रहालय में रखी गई है। इसके अलावा यहां दुर्लभ संग्रह है जिसको उनके सुपुत्र संजीव पांडे द्वारा रखरखाव किया जा रहा है। इस विषय में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के इतिहास विभाग के अवकाश प्राप्त अध्यक्ष तथा मल्हार उत्खनन टीम में शामिल डॉक्टर के के त्रिपाठी ने बताया कि तीन पट्टी वाला ताम्रपत्र सोमकालीन महाशिव गुप्त बाल अर्जुन ई 595 का है। उक्त लेख पट्टीका नागरी लिपि में है जिसका अनुवाद उपसंचालक पुरातत्व विभाग एवं संग्रहालय संरचनालय रायपुर द्वारा किया गया था। ताम्रपत्र निकट के ग्राम जुनवानी में किसी कृषक को मिला था। तीन परत वाला यह ताम्रपत्र प्रत्येक की चौड़ाई 21.5 सेंटीमीटर और ऊंचाई 14.5 सेंटीमीटर है इनका एक का वजन 765 ग्राम तथा ताम्रपत्र में 23 पंक्तियां हैं। पांचवी से छठवीं शताब्दी में उक्त ताम्रपत्र राजवंशों द्वारा जारी किया गया था। एक ताम्र पत्र में मध्य भारतीय ब्रह्म लिपि में 11 पंक्तियों का लेख उत्पन्न है इसे पांचवीं शताब्दी का माना गया है। डॉक्टर हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कद वाजपेई ने इन ताम्र पत्रों की विवरण की पुष्टि पहले किया था। घासीदास संग्रहालय रायपुर में भी यहां का सामग्री रखा गया है। पूर्व काल में मोर पंख के कलम और भोजपत्र के द्वारा सर्वप्रथम पांडुलिपि लिखने का प्रचलन था। पांडुलिपि का चलन पूर्व द्वापर युग में महाभारत में भगवान वेदव्यास गणेश जी द्वारा किया गया था जो चारों युग में चलते आया है।

प्रकृति के कुशल चितेरे रहे बाबू प्यारेलाल गुप्त

रामेश्वर गुप्ता

शिक्षक पिता कुशल प्रसाद गुप्ताजी के घर 17 अगस्त 1891 को जन्म लेने वाले प्यारेलाल गुप्त को साहित्य साधना विरासत में मिली। आपके पिता ने राधाकृष्ण विहार नामक काव्य की रचना ब्रजभाषा में की थी। गुप्त जी की शिक्षा मैट्रिक तक हुई। बाद में उन्होंने स्वाध्याय छात्र के रूप में हिन्दी, मराठी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी में अपनी पकड़ बनाई। गुप्तजी के पूर्वज रतनपुर में ही बसकर अपना जातीय व्यवसाय करते थे। यहीं कोआपरेटिव बैंक में 32वर्ष तक मैनेजर पद पर कार्य किए। आप गद्य और पद्या पर लेखन करते रहे। अनेक पुस्तकों का प्रकाशन आपने कराया। आपकी रचनाओं में प्रकृति प्रेम स्पष्ट झलकती है-

ज़ब पानी बरसे लागिस तब धरती माता जागिस।
अउ लिहिस जबे अंगड़ाई तौ चंवर करिस पुरवाई।

14मार्च 1976 को गुप्तजी इस दुनिया से अलविदा हो गए, लेकिन उनकी अमर रचनाएं आज भी साहित्य जगत में नक्षत्र की भांति चमक रहे हैं।

पर्यटकों को लुभाता सरईपतेरा जलप्रपात

डॉ. डी पी देशमुख

जिला मुख्यालय खैरागढ़ से लगभग 62 कि.मी. की दूरी पर छुईखदान विकासखंड के साल्हेवारा से 20 कि.मी. सरईपतेरा गांव के जंगल के बीच 120 फिट ऊंचा अत्यंत ही खूबसूरत एवम प्राकृतिक जलप्रपात है- ठाड़पानी। राज्य के नवगठित जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के अंतिम छोर में मध्यप्रदेश सीमा से लगा हुआ इसे राज्य का सबसे ऊंचा जलप्रपात माना जाता है क्योंकि बस्तर स्थित 110 फिट ऊंची तीरथगढ़ जलप्रपात की तुलना में इसकी ऊंचाई 10 फिट अधिक है।

इसके बावजूद आवागमन की असुविधा व रिजर्व फारेस्ट के कारण सड़क मार्ग विकसित नहीं होने से यह जलप्रपात जनमानस की नजरों से ओझल है। उल्लेखनीय बात यह है कि इसके आसपास धांस जलधारा, कुंआ धांस जलप्रपात,नाथेल जलप्रपात, कउरवा जलप्रपात, भोथली-भुजारी का जलप्रपात और छिंदारी डैम जैसे अन्य नैसर्गिक स्थलों के कारण इस क्षेत्र को पर्यटकों के लिए पैकेज टूरिज्म के रूप में विकसित किया जा सकता है।

घने जंगलों के बीच छुपा यह जलप्रपात ऊंचे पहाड़, घाटियां, कल-कल करती झरने की आवाज से मन को प्रफुल्लित कर देता है और सैलानी स्वस्फूर्त यहाँ आने के लिए आकर्षित होते हैं। जंगल में साजा, सरई, सागौन, तेंदू, जंगली केला, जंगली हल्दी जैसे कई तरह के पेड़-पौधे हैं जो पर्यटकों के लिए दर्शनीय है। यह जलप्रपात अगरनदी से मिलकर कर्रानाला जलाशय में समाहित हो जाता है।

अड़भार में दिखाई देती है अनेक विशेषता

कंवल प्रसाद

छत्तीसगढ़ के जिला जांजगीर चाम्पा के तहसील एवं वि. ख. मालखरौदा में समुद्र तल से लगभग 248 मी पर अड़भार ग्राम स्थित है। ग्राम का प्राचीन नाम अष्टद्वार था। कोरबा के समीप पहाड़ी पर ब्रम्हलिपि के एक शिलालेख में उल्लेख से होती है, लिपि के आधार पर यह लेख मौर्यकालीन है। एक मान्यता के अनुसार ग्राम के मंदिर में अष्ट द्वार होने के कारण नाम अष्टद्वार से अपभ्रंश होकर अड़भार हो गया। यहां पर प्राचीनतम वेधशाला है। इस वेधशाला को देखने पर लगता है कि छठवीं शताब्दी तक स्थापत्य कला और भवन निर्माण कला में काफी उन्नति हो चुकी थी। यहां के इस प्रसिद्ध मंदिर में ज्यामितीय, त्रिकोणमितीय, ज्योतिष, स्थापत्यकला, वास्तुकला, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, खगोल एवं धर्म शास्त्र आदि विषयों का खुलकर प्रयोग किया गया है। कई रहस्यात्मक तरीके से नष्ट कर दिए गए हैं। यहां पुरातात्विक महत्त्व के अनेक अवशेष तथा शिलालेख बिखरे पड़े देखे जा सकते हैं जो कई रहस्यों को उजागर करने के लिए काफी हैं।

ससुराल म बहू ल नवा नाव दे जाथे

सरला शर्मा

हम मन देखथन त पता चलथे कई ठन चलन हमर राज म अइसे हे जेहा दूसर राज म देखे या सुने बर नी मिलय। हमर राज म सुघर रिवाज हे कि जब नवा बहुरिया ससुराल आथे त महतारी दादा के राखे वोकर नाव ह मइके मे छूट जाथे। ससुराल मे बहू ल अलग नाव मिल जथे। अऊ उही नाव ह वोकर चिन्हारी बन जथे। कोनो रायपुर ले आए रथे त वोला रायपुरहिन, बिलासपुर ले आये त बिलासपुरहिन, रायगढ़ ले आथे त रायगढ़हीन, नादगाव ले आए रथे तेला नन्दगहिन कहीथें। फेर उही बहू ह लइका के महतारी बन जथे त जेन नाव के रखे जाथे वो नाव ले बलाथे। जइसे गोलू नाव लइका के रही त गोलू के महतारी, पिंटू नाव रही त पिंटू के महतारी। जात गोत ल लेके घलो चिन्हारी मिलथे जइसे पंडित बाबा, राउत बाबा। लोगन के रूप रंग ल देखके घलो नाव रखे जाथे। अमीर गरीब के कुछु नाव घलो आ जाथे जइसे गौटिया घर के गौटनिन, महाराज घर के महाराजिन, साहूकार घर के साहूकारिन। ये नाव ह मनखे ल अलग पहिचान घलो देथे।

साप्ताहिक शहर सत्ता

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

बिना सियासी लाग लपेट के और महिलाओं की सीधी भागीदारी तय करने वाले छत्तीसगढ़ के एकमात्र मुख्यमंत्री होंगे विष्णुदेव साय। जब 'पंचायत से पार्लियामेंट तक' नारी की भागीदारी सुनिश्चित करने का यह प्रयास हो रहा था तब से ही साय की सुशासन सरकार ने ब्यूरोक्रेसी में भी महिला अफसरों को तवज्जो दी है। राज्य के 10 जिलों के लिए महिला कलेक्टर तैनात करने वाले पहले सीएम विष्णुदेव साय ही हैं। जल्द ही विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल में महिला मंत्रियों संख्या 1 बढकर 2 होगी। संभवतयः साय मंत्रिमंडल विस्तार में महिला मंत्रियों की संख्या तीन भी सकती है !

शहर सत्ता/रायपुर। विष्णु के सुशासन में दाई, बहनी और महतारी समेत महिलाओं की सीधी भागीदारी नए स्वरुप ले रही हैं। सियासी गलियारों से लेकर नौकरशाही तक के निजाम में अब महिलाओं को तवज्जो देने की तैयारी है। इसकी शुरुआत ब्यूरोक्रेसी से कर दी गई है। पहली बार छत्तीसगढ़ के 10 जिलों की कमान महिला कलेक्टरों को सौंपी गई है। इससे पहले रमन सिंह की तीसरी पारी में एक समय महिला कलेक्टरों की संख्या छह हुई थीं। हालांकि, राज्य निर्माण के 13-14 साल तक महिला आईएएस की संख्या काफी कम थीं, इसलिए इक्का-दुक्का महिला कलेक्टर होती थीं। सीएम साय के राज में यह आंकड़ा 10 हो गया है। अगर आबकारी, शिक्षा और अन्य बड़े मलाईदार विभागों के आला पद देखें तो वहां भी तेजतर्रार महिला आईएएस तैनात की गई हैं। राजनितिक गलियारे में साय मंत्री मंडल के विस्तार की खबरें और दो से तीन महिला मंत्रियों की आमद के कयास लगने लगे हैं।

ये हैं नारी शक्ति की प्रतीक

प्रतिष्ठा ममगई बेमेतरा, नुपूर राशि पन्ना कोंडागांव, नम्रता जैन नारायणपुर, रेना जमीन सूरजपुर, चंदन त्रिपाठी बलरामपुर, दिव्या मिश्रा बालोद, तुलिका प्रजापति मानपुर मोहला, रोक्तिमा यादव कोरिया, संतन देवी जांगड़े एमसीबी और पदमिनी भोई सारंगढ़।

आठ महिला विधायकों के ये हैं नाम

लक्ष्मी राजवाड़े (भटगांव)

रेणुका सिंह (भरतपुर-सोनहट)

गोमती साय (पत्थलगांव)

रायमुनी भगत (जशपुर)

शकुंतला सिंह पोर्ते (प्रतापपुर)

भावना बोहरा (पंडरिया)

लता उसेंडी (कोंडागांव)

गीता घासी साहू (खुज्जी)

दस महतारी कलेक्टर पदस्थ की गईं

प्रशासनिक सर्जरी में सरकार ने ब्यूरोक्रेसी की महतारियों का सम्मान बढ़ाया है। बुधवार को सात जिलों में नए कलेक्टर पोस्ट किये गए हैं। इनमें पांच महिलाएं हैं। इन पांच को मिलाकर छत्तीसगढ़ में अब 10 महिला कलेक्टर हो गई है। राज्य बनने के बाद यह पहला मौका है, जब कलेक्टरी में महिलाओं की संख्या 10 टच कर गया है। इस समय ब्यूरोक्रेसी की जो माताएं कलेक्टर हैं, उनमें प्रतिष्ठा ममगई बेमेतरा, नुपूर राशि पन्ना कोंडागांव, नम्रता जैन नारायणपुर, रेना जमीन सूरजपुर, चंदन त्रिपाठी बलरामपुर, दिव्या मिश्रा बालोद, तुलिका प्रजापति मानपुर मोहला, रोक्तिमा यादव कोरिया, संतन देवी जांगड़े एमसीबी और पदमिनी भोई सारंगढ़ शामिल हैं।

दो या तीन महिला मंत्री की संभावना

अगले महीने के लास्ट तक विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल का विस्तार होना लगभग तय समझा जा रहा है। इसमें कई मंत्रियों के विभाग बदलेंगे। चार मंत्रियों की विदाई हो सकती है। सरगुजा संभाग के दो मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड अच्छा नहीं होने की भी खबरें हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी की महिला विधायकों की लाटरी लगने वाली है। मंत्रिमंडल में 15 परसेंट की लिमिट तय होने के बाद से सूबे में चाहे किसी की भी सरकार रही हो, हमेशा एक महिला मंत्री रहीं। मगर अब इसकी संख्या बढ़ाकर कम-से-कम दो किया जाएगा। यदि अच्छा चेहरा मिले तो तीन भी संभव है। पूर्व मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल न करने का कंडिशन अगर हटाया जाएगा तो बस्तर से लता उसेंडी दावेदार हो सकती हैं। उनसे आदिवासी और महिला, दोनों कोटा कंप्लीट होगा। डिप्टी सीएम विजय शर्मा अगर संगठन में गए तो फिर भावना बोहरा के नाम पर विचार हो सकता है। या हो सकता है बीजेपी किसी और को सामने लाकर चौंका दें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.),
मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27